सुविचार

गौरव लक्ष्य पाने के लिए कोशिश करने में हैं, न कि लक्ष्य तक पहुंचने में।

दैनिक

रेवांचल टाइम्स

निष्पक्ष, निर्भीक एवं सत्य का प्रवर्तक

Revanchal Times
7509202320
@revanchal_times
revanchaljabalpur@gmail.com
revanchaltimes_

■ वर्ष - 10 ■ अंक - 191 ■ मंडला, शनिवार 26 सितम्बर 2026 ■ पृष्ठ-8 ■ मूल्य-1 रूपये ■ विक्रम संवत् 2083 ■ www.revanchaltimes.com RNI. Reg. No MPHIN/2016/69877

ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस का 'सड़क संग्राम'

दिल्ली-कोलकाता-पटना में उतरे कार्यकर्ता



नई दिल्ली, मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ कांग्रेस पार्टी ने पूरे देश में जोरदार प्रदर्शन शुरू कर दिया है. कांग्रेस का आरोप है कि चुनाव आयोग में ज्ञानेश कुमार मनमानी कर रहे हैं और बाकी दो चुनाव आयुक्तों की बात नहीं सुन रहे हैं. एक अखबार में हुए खुलासे के बाद कांग्रेस ने देशभर के कई शहरों में एक साथ विरोध प्रदर्शन किया और ज्ञानेश कुमार से इस्तीफे की मांग की. कांग्रेस के इस प्रदर्शन की तस्वीरें गुवाहाटी, चंडीगढ़, मणिपुर, लखनऊ, देहरादून और कोलकाता से सामने आई हैं. इन सभी शहरों में बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता सड़कों पर उतरे और नारेबाजी करते हुए ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग की. गुवाहाटी में इस प्रदर्शन की अगुवाई गौरव गोगोई ने की. वहीं लखनऊ में भी कांग्रेस कार्यकर्ता बड़ी संख्या में इकट्ठा हुए और एकजुट होकर विरोध जताया.

कांग्रेस का कहना है कि चुनाव आयोग के अंदर सब कुछ ज्ञानेश कुमार अपने हिसाब से चला रहे हैं और बाकी दो आयुक्तों की आपत्तियों को अनसुना किया जा रहा है. यही आरोप विपक्ष की तरफ से लगातार लगाया जा रहा है, जिसमें कांग्रेस सबसे आगे नजर आ रही है. कोलकाता में भी कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर विरोध जताया और बीजेपी पर भी निशाना साधा. देहरादून में शैलजा कुमारी ने इस प्रदर्शन में हिस्सा लिया, जहां कांग्रेस ने देशव्यापी अभियान के तहत विरोध मार्च निकाला.

चंडीगढ़ में भी कांग्रेस नेताओं ने सभा को संबोधित किया और उसके बाद प्रदर्शन मार्च निकाला. जम्मू-कश्मीर में तो यह मुद्दा विधानसभा के अंदर भी उठाया गया, जहां मांग की गई कि ज्ञानेश कुमार जल्द से जल्द इस्तीफा दें. मणिपुर के इंफाल में स्थिति सबसे ज्यादा तनावपूर्ण रही. यहां चुनाव आयोग के मुख्य कार्यालय के सामने प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने दफ्तर के अंदर घुसने की कोशिश की. इसे रोकने के लिए पुलिस को आंसू गैस के गोले छोड़ने पड़े.

सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ यूथ कांग्रेस का दिल्ली में हल्ला बोल : दिल्ली में यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ बड़ा विरोध प्रदर्शन किया. यह प्रदर्शन यूथ कांग्रेस के हेड क्वार्टर से शुरू हुआ और धीरे धीरे आगे बढ़ता गया. कार्यकर्ता बैरिकेड्स पर चढ़ गए और हाथों में झंडे और पोस्टर लेकर नारेबाजी करते नजर आए. प्रदर्शन की अगुवाई खुद इंडियन यूथ कांग्रेस के अध्यक्ष उदय भानु चब कर रहे थे. इस दौरान एक कार्यकर्ता को सीईसी ज्ञानेश कुमार का मास्क पहनाकर और हाथों में सांकेतिक हथकड़ियां डालकर लाया गया, जिससे यह संदेश दिया जा सके कि अब उनके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए.

दरअसल कल नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में सीईसी ज्ञानेश कुमार पर कई गंभीर आरोप लगाए थे. इसके बाद कांग्रेस पार्टी ने साफ कर दिया कि अब पार्टी एक्शन मोड में आएगी. देश भर की कांग्रेस इकाइयों और कार्यकर्ताओं को विरोध प्रदर्शन करने का संदेश दिया गया. इसी क्रम में आज देश भर में राज्य इकाइयों द्वारा प्रदर्शन हो रहे हैं और दिल्ली में भी यूथ कांग्रेस का यह प्रदर्शन उसी अभियान का हिस्सा है.

प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं ने कहा कि वे मास्क पहने व्यक्ति को पुलिस थाने में हैंडओवर करना चाहते हैं. जानकारी के मुताबिक 29 सितंबर को होने वाली कांग्रेस वर्किंग कमेटी यानी सीडब्ल्यूसी की बैठक में भी सीईसी ज्ञानेश कुमार के खिलाफ आगे की रणनीति पर चर्चा हो सकती है. यह भी चर्चा है कि कांग्रेस और विपक्षी दल मिलकर संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस कर सकते हैं और इम्पीचमेंट मोशन तक की कार्रवाई पर विचार हो सकता है.

प्रदर्शन के दौरान जब कार्यकर्ता बैरिकेड्स पार कर जंतर मंतर या संसद मार्ग की ओर बढ़ने की कोशिश करने लगे, तो दिल्ली पुलिस ने सख्ती दिखाते हुए कार्रवाई की. अध्यक्ष उदय भानु चब को पुलिस ने हिरासत में ले लिया और अन्य कार्यकर्ताओं को भी वहां से हटाया गया.

पटना में कांग्रेस का हल्लाबोल : पटना में आज विधानसभा के बाहर तनाव भरा माहौल देखने को मिला. कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर एक बड़ा प्रदर्शन किया. यह मार्च ब्लॉक से चुनाव आयोग के दफ्तर तक जाना था, लेकिन पुलिस ने इसे विधानसभा के गेट के बाहर ही रोक दिया. इसके बाद प्रदर्शनकारियों और पुलिस के बीच झड़प हो गई, बैरिकेडिंग तोड़ने की कोशिश हुई और आखिर में पुलिस को वाटर कैनन का इस्तेमाल करना पड़ा. कई प्रदर्शनकारियों को हिरासत में भी लिया गया है.

लखनऊ में बारिश के बीच कांग्रेस का हल्लाबोल, गणेश कुमार के इस्तीफे की मांग तेज : लखनऊ से बड़ी खबर सामने आई है जहां तेज बारिश के बावजूद कांग्रेस पार्टी के हजारों कार्यकर्ताओं ने सड़कों पर उतरकर जोरदार प्रदर्शन किया. पार्टी दफ्तर के बाहर सुबह से जमा हुए कार्यकर्ता अब बाहर निकलकर विधानसभा और राज्य चुनाव आयोग के दफ्तर की तरफ बढ़ने की कोशिश कर रहे हैं. इन सभी की एक ही मांग है कि गणेश कुमार तुरंत अपने पद से इस्तीफा दें. पुलिस फोर्स को मौके पर तैनात किया गया है ताकि कार्यकताओं को रोका जा सके, लेकिन भारी बारिश और पुलिस की मौजूदगी के बावजूद कोई भी कार्यकर्ता पीछे हटने को तैयार नहीं है.

चंडीगढ़ में हरियाणा कांग्रेस का चुनाव आयोग के खिलाफ हल्ला बोल : चंडीगढ़ में हरियाणा कांग्रेस के कार्यकताओं ने चुनाव आयोग के खिलाफ जोरदार प्रदर्शन किया है. कार्यकर्ता चुनाव आयोग के दफ्तर तक मार्च निकाल रहे हैं और चीफ इलेक्शन कमिश्नर के खिलाफ नारेबाजी कर रहे हैं. इससे पहले पंजाब कांग्रेस भी चंडीगढ़ में इसी तरह का प्रदर्शन कर चुकी है. कांग्रेस कार्यकताओं का आरोप है कि भाजपा सरकार ने वोट चोरी करके सत्ता हासिल की है.

जम्मू में कांग्रेस का हल्ला बोल, ज्ञानेश कुमार का पुतला फूंका

जम्मू में आज कांग्रेस पार्टी ने निर्वाचन भवन के बाहर जोरदार प्रदर्शन किया. पार्टी के कार्यकर्ता और नेता बड़ी संख्या में वहां पहुंचे और देश के मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार तथा मोदी सरकार के खिलाफ नारेबाजी की. कांग्रेस की मांग है कि ज्ञानेश कुमार अपने पद से इस्तीफा दें. पार्टी का आरोप है कि उन्होंने चुनाव में धांधली की है. इस प्रदर्शन के दौरान सुरक्षा बलों के साथ धक्का-मुक्की भी हुई और गुस्साए कार्यकताओं ने ज्ञानेश कुमार का पुतला भी फूंका.

गडकरी बोले- 40% एयर पॉल्यूशन के लिए मैं जिम्मेदार

:कहा- बसों का स्टैंडर्ड सुधारिए, नहीं तो कॉन्ट्रैक्टर्स जैसे रगड़ूंगा



भोपाल। मध्यप्रदेश में 21 साल बाद सरकारी बस सेवा फिर शुरू हो गई। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी और उट मोहन यादव ने शुक्रवार को भेल दशहरा मैदान से 351 बसों के साथ मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा लॉन्च की। भोपाल-इंदौर समेत 7 शहरों में इंटरसिटी और इंट्रासिटी बसें चलेंगी। इनमें 180 इलेक्ट्रिक बसें हैं। सरकार का पहले साल 1,500 और 2031 तक 15 हजार बसें चलाने का लक्ष्य है। गडकरी ने कहा- पब्लिक ट्रांसपोर्ट को बेहतर बनाना सरकार का विजन है। ट्रांसपोर्ट सुधार के लिए 5 एजेंडा बनाए गए हैं, जिसमें पहला क्लीन ट्रांसपोर्ट है। देश के एयर पॉल्यूशन में करीब 40% हिस्सेदारी ट्रांसपोर्ट सेक्टर की है। प्रदूषण के लिए मैं जिम्मेदार हूं। MP में प्रदूषण के लिए उट मोहन जिम्मेदार हैं।

पटवर्धन से गडकरी बोले- बसें सुधारिए, नहीं तो रगड़ूंगा : गडकरी ने ऑल इंडिया बस एंड कार कन्फेडरेशन के प्रेसिडेंट प्रसन्ना पटवर्धन से बसों की गुणवत्ता पर कहा- अभी भी बस में बहुत सुधार करने की जरूरत है। पटवर्धनजी अभी भी तुम्हारी बस बराबर स्टेंडर्ड पर नहीं बनी है। ये कंपनी वालों को कहो सुधरिए। नहीं तो जैसे कॉन्ट्रैक्टर्स को रगड़ने का काम करता हूं, वैसे आपके क्षत्रपों को रगड़ूंगा।

गुजरात-जूनागढ़ में तेंदुए ने 6 साल की बच्ची को उठाया

जूनागढ़। गुजरात के जूनागढ़ जिले में बुधवार रात तेंदुए ने 6 साल की बच्ची पर हमला कर उसे मार डाला। बच्ची की पहचान प्रिशा सोलंकी के रूप में हुई है। घटना का उऊऽश वीडियो शुक्रवार को सामने आया है। घटना मेंदरडा में थोभणभाई कोराट के खेत में हुई। गिर वेस्ट डिविजन के ऊ्रछ प्रशांत तोमर के मुताबिक, तेंदुए के हमले के बाद बच्ची का शव खेत के पास मिला। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर पहुंची। तेंदुए को पकड़ने के लिए वन विभाग ने आसपास 8 पिंजरे लगाए हैं। इलाके में लगातार गश्त कर तेंदुए की तलाश की जा रही है। वन विभाग ने लोगों से रात के समय सावधानी बरतने की अपील की है।

20 साल से बिलासपुर में पहचान छिपाकर रह रहा बांग्लादेशी गिरफ्तार

बिलासपुर। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में करीब 20 वर्षों से कथित रूप से पहचान छिपाकर रह रहे बंगलादेशी नागरिक अतीक हुसैन (42) को एसटीएफ और बिलासपुर पुलिस की संयुक्त टीम ने गिरफ्तार किया है। पुलिस से शुक्रवार सुबह मिली जानकारी के अनुसार अतीक वर्ष 2005 में अवैध तरीके से भारत आया था और यहां रहने के दौरान उसने भारतीय पहचान से जुड़े कई दस्तावेज भी बनवा लिए थे। पुलिस ने गुरुवार तडके करीब 5 बजे सरकंडा थाना क्षेत्र के सूर्या बिहार स्थित उसके किराए के मकान में दबिश देकर उसे पकड़ा।

यूपी के 50 शहरों में 24 घंटे से बारिश

सिक्किम में लैंडस्लाइड, 20 घर बहे; चक्रवात से ओडिशा में भारी बारिश



नई दिल्ली। बंगाल की खाड़ी से उठा अर्नब चक्रवात अब कमजोर पड़ गया है। इसके कारण यूपी के 50 शहरों में 24 घंटे से रुक-रुककर बारिश हो रही है। लखनऊ में शुक्रवार सुबह से अंधेरा छाया हुआ है। ग्रामीण इलाकों में आंधी जैसी तेज हवाओं के कारण फसलें गिर गई हैं। खेतों में पानी भर गया है। सिक्किम के ग्यालशिंग जिले के रिंबी गांव में लगातार बारिश के कारण गुरुवार रात लैंडस्लाइड हुई। इसमें 20 से ज्यादा घर और सरकारी क्वार्टर बह गए। हालांकि, अभी तक किसी की मौत की सूचना नहीं है। चक्रवात से ओडिशा में भारी बारिश के साथ अचानक बाढ़ और लैंडस्लाइड का खतरा बना हुआ है। राज्य के दक्षिणी और पश्चिमी इलाकों में निचले और लैंडस्लाइड प्रभावित क्षेत्रों में रहने वाले करीब 10 हजार लोगों को 200 राहत केंद्रों में भेजा गया है। चक्रवात से 9 राज्य प्रभावित हैं। अगले 24 घंटे में छत्तीसगढ़, तटीय आंध्र प्रदेश, ओडिशा और तेलंगाना में भारी बारिश हो सकती है। इन इलाकों में 50-60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवाएं चलने के साथ गरज-चमक भी हो सकती है।

पीएम मोदी बोले- समाज के लिए काम करें

वोटबैंक की राजनीति के लिए नहीं, वाराणसी से वडनगर जा रहे बाइकर्स से बात की

नई दिल्ली। पीएम मोदी ने शुक्रवार को वाराणसी से वडनगर जा रहे सेवा यात्रियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बातचीत की। उन्होंने कहा कि हम गांधी जी के जीवन की ओर देखते हैं, तो वे अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई लड़ने और आजादी का आंदोलन चलाने के साथ-साथ एक बड़े सामाजिक सुधारक भी थे। समाज में व्याप्त बुराइयों के खिलाफ उन्होंने हमेशा काम किया। इसलिए हमें भी समाज में निरंतर सुधार और सकारात्मक परिवर्तन के लिए काम करते रहना चाहिए, केवल वोटबैंक की राजनीति के लिए नहीं। दरअसल, दो बाइक रैलियों को 17 सितंबर को पीएम मोदी के 76वें जन्मदिन पर रवाना किया गया था। एक रैली उनके जन्मस्थान वडनगर से वाराणसी और दूसरी वाराणसी से वडनगर के लिए निकली है। दोनों यात्राएं 7 अक्टूबर को पूरी होंगी। ये रैलियां मोदी के 25 साल के सार्वजनिक जीवन को चिह्नित करने के लिए निकाली जा रही हैं। बीते 12 साल में भारत में शहरों और गांवों के बीच जो गैप था, वह काफी कम हुआ है।आज गांवों में इंफ्रास्ट्रक्चर बेहतर हुआ है। हमारी बहनों और बेटियों में आत्मनिर्भरता बढ़ी है। कल मुझे वडनगर से निकले सेवा यात्रियों की सभी टोलियों से संवाद करने का मौका मिला।

मणिपुर में उग्रवादियों ने 4 नगा लोगों की हत्या की:

कामजोंग। मणिपुर के कामजोंग जिले में गुरुवार शाम चार नगा लोगों की हत्या कर दी गई। स्थानीय लोगों ने हत्या का आरोप कुकी नेशनल आर्मी-बर्मा (ऽठअ-इ) के उग्रवादियों पर लगाया है। पुलिस के मुताबिक, हथियारों से लैस उग्रवादियों ने पिलोंग नगा गांव में ग्रामीणों पर गोलीबारी की थी। पिलोंग नगा गांव कामजोंग जिला मुख्यालय से करीब 35 किलोमीटर दूर है। मृतकों की पहचान फामी जाजो, निंगथेम कसाक, बेटरसन जाजो और वरेइशिम जाजो के रूप में हुई है। इनमें वरेइशिम जाजो और फामी जाजो पिता-पुत्र थे। चारों के शव पोस्टमॉर्टम के लिए कामजोंग जिला मुख्यालय लाए गए हैं। घटना के बाद तांगखुल नागा लॉन्ग ने हत्याओं की निंदा करते हुए शुक्रवार सुबह 7 बजे से 24 घंटे के आपातकालीन बंद का ऐलान किया। स्थानीय संगठनों के मुताबिक, फरवरी में शुरू हुई हिंसा के बाद इस साल अब तक 44 लोगों की मौत हो चुकी है।

नेतन्याहू ने नहीं की संयुक्त राष्ट्र महासभा से बड़े पैमाने पर वॉकआउट की परवाह, नरसंहार के आरोप नकारे

न्यूयॉर्क। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में गाजा, ईरान और पूरे क्षेत्र में इजरायल के युद्धों का डटकर बचाव किया। उन्होंने नरसंहार के आरोपों को खारिज किया और अंतरराष्ट्रीय आलोचकों पर निशाना साधा, जबकि दर्जनों राजनयिकों ने उनके मंच पर आते ही हॉल से बहिर्गमन कर दिया। श्री नेतन्याहू ने उन आरोपों को खारिज कर दिया कि इजरायल गाजा में नरसंहार कर रहा है; इसके बजाय उन्होंने इसे नरसंहार के ठीक उलट बताया। इस बीच फिलिस्तीनी प्रतिनिधिमंडल के समर्थन में आयोजित एक सुनियोजित वॉकआउट के तहत राजनयिक बाहर निकलने लगे। श्री नेतन्याहू ने रुकने के बजाय, हॉल में बैठे लोगों को चुनौती दी कि अगर कोई और नैतिक रूप से कायर व्यक्ति है जिसने अभी तक हॉल नहीं छोड़ा है, तो कृपया अभी ऐसा कर ले। श्री नेतन्याहू ने कहा कि हम जीतेंगे। हमारे पास कोई और विकल्प नहीं है। उन्होंने अपने दिवंगत भाई योनातन नेतन्याहू का जिक्र किया, जो 1976 के एंटेबे बंधक बचाव अभियान में मारे गए थे। उनके भाषण में गाजा युद्ध को लेकर इजरायल की नीति, कब्जे वाले पश्चिमी तट सेटलर्स (वहां बसे लोगों) की हिंसा या ईरान के खिलाफ अमरीका के साथ मिलकर



लड़े जाने वाले युद्ध समेत दूसरे क्षेत्रीय संघर्षों की योजनाओं के बारे में कोई नई बात नहीं थी।

श्री नेतन्याहू ने इन आरोपों को भी कड़ाई से खारिज कर दिया कि इज?ायल गाजा में नरसंहार कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह युद्ध नरसंहार नहीं है, बल्कि यह नरसंहार के ठीक उलट है। न्यूयॉर्क शहर के मेयर जोहरान मम्दानी पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि तो जो लोग मेरे देश और हमारे बहादुर सैनिकों के बारे में ये झूठ फैला रहे हैं झ चाहे वे इस हॉल में बैठे हों या न्यूयॉर्क के यहूदी-विरोधी मेयर के दफ्तर में -मैं उनसे यही कहूंगा। आपको शर्म आनी चाहिए! इज?ायल ने हमेशा इस बात से इनकार किया है कि गाजा में उसकी कार्रवाई नरसंहार के बराबर है, उसका कहना है कि उसका सैन्य अभियान आत्मरक्षा के लिए जायज है। इज?ायल का यह हमला 7 अक्टूबर, 2023 को हमास के हमले के बाद शुरू हुआ था, जिसमें लगभग 1,200 लोग मारे गए थे और 251 लोगों को बंधक बना लिया गया था। गाजा में हमास द्वारा संचालित स्वास्थ्य मंत्रालय का कहना है कि इज?ायल के सैन्य अभियान के दौरान 73,920 से ज्यादा लोग मारे गए हैं।

श्री नेतन्याहू ने तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन पर भी हमला बोला और उन्हें तानाशाह कहा, जो हमास के आतंकवादियों को पनाह देते हैं। तुर्की के राष्ट्रपति कार्यालय के संचार निदेशक बुरहानेटिन दुरान ने श्री नेतन्याहू पर बेबुनियाद आरोप लगाने का आरोप लगाया और कहा कि ये आरोप संयुक्त राष्ट्र के शांति, कानून और बातचीत के आदर्शों के खिलाफ हैं।

मां रेवा पब्लिकेशन एंड प्रिंटर्स
जबलपुर शहर में सबसे कम दामों में
समाचार पत्र के A to Z कार्य का एकमात्र स्थान
प्रिंटिंग
जॉब वर्क
न्यूज पेपर
पीडीएफ
संपर्क करें
7415685293
9589490996
9340553112
68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड, मुस्कान प्लाजा के पीछे, एम आर 4 रोड, उखरी, जबलपुर (मप्र)

विक्टोरिया अस्पताल में सामान्य दवाओं का संकट, मरीज परेशान



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। बीमारियों के मौसम में शासकीय अस्पतालों से लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों तक दवाइयों की उपलब्धता प्रभावित हुई है। शासकीय विक्टोरिया अस्पताल में पिछले कुछ दिनों से ओपीडी में आने वाले सर्दी-खांसी और वायरल बुखार के मरीजों को दी जाने वाली सामान्य दवाइयों की कमी बनी हुई है। पेरासिटामोल, सामान्य एंटीबायोटिक और कफ सिरप जैसी दवाइयों का पर्याप्त स्टॉक नहीं होने से मरीजों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल में दवाओं की कमी का असर उन मरीजों पर ज्यादा पड़ रहा है, जो सामान्य बीमारियों के उपचार के लिए ओपीडी में पहुंच रहे हैं। इसके अलावा आपात स्थिति में इस्तेमाल होने वाली कुछ आवश्यक दवाइयों की उपलब्धता भी प्रभावित होने की बात सामने आई है। अस्पताल से पूरी दवा नहीं मिलने पर मरीजों को बाहर से दवाइयां खरीदनी पड़ रही हैं, जिससे उनका इलाज महंगा हो रहा है। दवा संकट का असर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों पर भी पड़ रहा है। पहले जिला अस्पताल स्तर पर दवाइयों की खरीद की व्यवस्था स्थानीय स्तर पर थी। जिला अस्पताल के सिविल सर्जन और जिले के स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी को स्थानीय स्तर पर दवाइयां खरीदने के अधिकार प्राप्त थे। खरीद प्रक्रिया में अनियमितताओं के बाद इस व्यवस्था को समाप्त कर प्रदेश के शासकीय अस्पतालों के लिए दवाइयों की खरीद का जिम्मा मध्यप्रदेश पब्लिक हेल्थ सर्विसेस कॉरपोरेशन को दिया गया। बताया गया है कि दवाइयों की आपूर्ति अब भोपाल स्तर से होने के कारण जिला अस्पताल के स्टॉक पर इसका असर पड़ रहा है। समय पर आपूर्ति नहीं होने से अस्पताल में उपलब्ध दवाइयों का भंडार कम हुआ है। मौजूदा स्थिति में सामान्य बीमारियों के इलाज में इस्तेमाल होने वाली कई दवाइयों की मांग के अनुरूप उपलब्धता नहीं हो पा रही है। अस्पताल में दवाओं की कमी के पीछे सालभर आयोजित होने वाले स्वास्थ्य और परमार्थ शिविरों के दबाव को भी एक कारण माना जा रहा है। इन शिविरों में बड़ी संख्या में मरीजों को दवाइयां उपलब्ध कराई जाती हैं। इस वर्ष शिविरों की संख्या और उनके कारण दवाइयों की खपत बढ़ने से अस्पताल के स्टॉक पर अतिरिक्त दबाव पड़ने की बात सामने आई है। शासकीय अस्पतालों में मरीजों को उपचार के साथ आवश्यक दवाइयां निशुल्क उपलब्ध कराई जाती हैं। ऐसे में अस्पताल से पूरी दवा नहीं मिलने पर मरीजों को बची हुई दवाइयां बाहर से खरीदनी पड़ती हैं। आर्थिक रूप से कमजोर मरीजों के लिए यह स्थिति अतिरिक्त परेशानी पैदा करती है, क्योंकि निशुल्क उपचार की उम्मीद से अस्पताल पहुंचने के बाद उन्हें दवाओं के लिए अपनी जेब से खर्च करना पड़ता है। सीएमएचओ डॉ. नवीन कोठारी ने बताया कि विक्टोरिया अस्पताल में ओपीडी से मरीजों को दी जाने वाली दवाइयों के स्टॉक में कमी आई है, जिसके कारण सामान्य दवाइयां उपलब्ध कराने में परेशानी हो रही है। इसकी जानकारी भोपाल स्तर पर दे दी गई है और दवाइयों की आपूर्ति के लिए सूचना भेजी गई है। डॉ. कोठारी के अनुसार भोपाल से एक-दो दिन में दवाइयों का स्टॉक मिलने की उम्मीद है। आपूर्ति होने के बाद अस्पताल में दवाओं की उपलब्धता सामान्य होने की संभावना है। उन्होंने यह भी बताया कि इस वर्ष स्वास्थ्य शिविरों का दबाव विक्टोरिया अस्पताल में दवाइयों की खपत और स्टॉक पर पड़ा है।

नर्मदा और हिरन नदी से अवैध रेत उत्खनन का आरोप, रात में हाईवा से परिवहन



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। जिले में नर्मदा और हिरन नदी के चिन्हित घाटों पर अवैध रेत उत्खनन और परिवहन का मामला सामने आया है। आरोप है कि पिछले करीब 15 दिनों से रेत माफिया सक्रिय होकर दोनों नदियों से बड़ी मात्रा में रेत निकाल रहा है। स्थानीय स्तर पर दावा किया जा रहा है कि इस दौरान नर्मदा और हिरन नदी से सैकड़ों हाईवा रेत निकाली जा चुकी है। रेत के अवैध उत्खनन और परिवहन की जानकारी अधिकारियों तक होने के बावजूद प्रभावी कार्रवाई नहीं होने के आरोप लगाए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार शहपुरा, तिलवारा, बेलखेड़ा, गोसलपुर और मझौली क्षेत्र के कुछ घाटों पर लंबे समय से रेत निकालने का काम चल रहा है। आरोप है कि नदी से मजदूरों की मदद से छह से आठ घंटे तक रेत निकाली जाती है। इसके बाद उसे ट्रैक्टर और अन्य वाहनों के माध्यम से आसपास के क्षेत्रों में पहुंचाया जाता है। रात के समय हाईवा के जरिए रेत को शहरी क्षेत्र तक पहुंचाए जाने की बात भी सामने आई है। नर्मदा में रेत उत्खनन पर प्रतिबंध और निगरानी के बावजूद गतिविधियां जारी रहने के आरोप हैं। रात के समय नदी से रेत निकाले जाने के कारण नदी के पानी की गुणवत्ता प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि नर्मदा से लगातार रेत निकालने का असर नदी के पर्यावरण और उसके प्राकृतिक स्वरूप पर पड़ सकता है। हालांकि इन आरोपों की आधिकारिक स्तर पर पुष्टि नहीं हुई है। हाल ही में पूर्व विधायक बरगी संजय यादव तिलवारा क्षेत्र के नर्मदा घाट पहुंचे थे। उन्होंने वहां नाव चलाने वालों से बातचीत करने का प्रयास किया, लेकिन आरोप है कि नाव संचालक दूसरे किनारे की ओर चले गए। इस घटना का वीडियो सामने आने के बाद खनिज विभाग के सक्रिय होने की बात कही गई थी। इसके बावजूद अब तक किसी के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने का दावा किया जा रहा है। हिरन नदी में भी बिना अनुमति रेत उत्खनन किए जाने के आरोप हैं। इससे स्थानीय स्तर पर ग्रामीणों और रेत निकालने वालों के बीच विवाद की स्थिति बनने की बात कही गई है। नदी से निकाली गई रेत का खुले तौर पर परिवहन किए जाने के भी आरोप हैं। रात में पुलिस और निगरानी दलों से बचते हुए हाईवा के माध्यम से रेत को शहरी सीमा तक पहुंचाने की बात स्थानीय स्तर पर कही जा रही है। रेत निकालने के लिए कुछ स्थानों पर जेसीबी के बजाय नावों का इस्तेमाल किए जाने की जानकारी सामने आई है। आरोप है कि हिरन नदी के कुछ हिस्सों में आठ से 10 नाव लगाकर रेत निकाली जा रही है। नावों से निकाली गई रेत को ट्रैक्टरों के माध्यम से आसपास की पंचायतों में बनाए गए स्टॉक तक पहुंचाने की बात कही जा रही है। इसके बाद वहां से रेत की आपूर्ति अलग-अलग स्थानों पर किए जाने का आरोप है। ग्रामीण क्षेत्रों में बारिश के दौरान निकाली गई रेत का बड़ा स्टॉक कई स्थानों पर पहाड़ी क्षेत्रों में रखे होने की बात भी सामने आई है। स्थानीय आरोपों के अनुसार इन स्टॉक से रोजाना 15 से 20 से अधिक हाईवा रेत दस्तावेजों के आधार पर परिवहन की जा रही है। दावा यह भी है कि लगातार रेत निकालकर भेजे जाने के बावजूद कई स्थानों पर स्टॉक में रेत की मात्रा कम नहीं दिखती। इससे स्टॉक की जांच और वास्तविक मात्रा के सत्यापन को लेकर सवाल उठ रहे हैं।

मदन महल स्टेशन से घर जा रहे युवक को चाकू अड़ाकर लूटा, चार गिरफ्तार



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। मदन महल रेलवे स्टेशन से पैदल घर जा रहे एक युवक को बाइक सवार चार युवकों ने चाकू अड़ाकर लूट लिया। आरोपियों ने युवक से मोबाइल और पर्स छीन लिया और बाइक से मदन महल चौराहे की ओर भागने लगे। पीड़ित ने रास्ते में एक स्कूटी सवार की मदद से लुटेरों का पीछा किया और शोर मचाया। उसकी आवाज सुनकर राहगीरों ने चारों आरोपियों को पकड़ लिया और पुलिस को सूचना दी। मदन महल पुलिस के अनुसार शिवनगर स्थित शर्मा आटा चक्की के पास रहने वाले 38 वर्षीय संजू काछी ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई है। वह सेटिंग का काम करता है। संजू ने पुलिस को बताया कि वह रात करीब 2.15 बजे नैनपुर ट्रेन से मदन महल स्टेशन पहुंचा था। ट्रेन से उतरने के बाद वह पैदल अपने घर की ओर जा रहा था। संजू के अनुसार वह मदन महल स्टेशन के अंडरब्रिज के अंदर पहुंचा, तभी पीछे से एक मोटरसाइकिल पर चार युवक आए। इनमें से दो युवकों ने उसे पकड़ लिया, जबकि एक ने उसकी गर्दन पर चाकू अड़ा दिया। आरोपियों ने उसका मोबाइल और पर्स छीन लिया। पर्स में करीब 400 रुपये रखे हुए थे। लूट के बाद चारों आरोपी मोटरसाइकिल से मदन महल चौराहे की ओर भाग गए। घटना के तुरंत बाद सड़क से गुजर रहे एक स्कूटी सवार ने पीड़ित की मदद की। संजू स्कूटी पर बैठ गया और दोनों ने बाइक सवार आरोपियों का पीछा किया। पीड़ित ने रास्ते में आरोपियों को पकड़ने के लिए आवाज लगाई। उसकी आवाज सुनकर गंगासागर रोड पर मौजूद राहगीरों ने बाइक सवार युवकों को रोक लिया और चारों को पकड़ लिया। राहगीरों ने आरोपियों से पूछताछ की तो उन्होंने अपने नाम अमन बर्मन, अभिषेक राजपूत, सत्यम शर्मा और प्रिंस खटीक बताए। चारों कटंगी क्षेत्र के निवासी बताए गए हैं। आरोपियों के पास से मिली मोटरसाइकिल का पंजीयन क्रमांक एमपी 20 एक्ससी 7641 है। राहगीरों ने चारों युवकों को बाइक सहित गंगासागर रोड पर पकड़कर रखा और इसकी सूचना मदन महल पुलिस को दी। सूचना मिलते ही मदन महल पुलिस मौके पर पहुंची और चारों आरोपियों को हिरासत में लेकर थाने ले गई। पुलिस ने पूछताछ के बाद आरोपियों के कब्जे से पीड़ित का पर्स बरामद किया, जिसमें 400 रुपये रखे थे। इसके अलावा घटना में इस्तेमाल की गई मोटरसाइकिल और चाकू भी जब्त किया गया। पुलिस ने संजू काछी की रिपोर्ट पर अपराध क्रमांक 360/2026 दर्ज किया है। मामले में भारतीय न्याय संहिता की धारा 309(4) और 3(5) के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है। पुलिस ने चारों आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस अब आरोपियों से लूट की घटना से जुड़े अन्य तथ्यों के संबंध में पूछताछ कर रही है। घटना में इस्तेमाल बाइक और चाकू जब्त किए जाने के बाद पुलिस आरोपियों की भूमिका और वारदात के तरीके की भी जांच कर रही है।

शराब के लिए रुपये मांगने पर चाकू से हमला, आरोपी की तलाश



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। तिलवारा क्षेत्र में शराब पीने के लिए रुपये मांगने और रुपये देने से इनकार करने पर युवक पर चाकू से हमला करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि भवानी पान ठेले पर काम करने वाले बजरंगी ने अपने एक साथी के साथ मिलकर युवक से शराब के लिए पैसे मांगे। युवक के मना करने पर उसके साथी ने मारपीट की, जबकि बजरंगी ने चाकू से हमला कर उसके बाएं हाथ में चोट पहुंचाई। घटना के बाद दोनों आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। तिलवारा पुलिस के अनुसार करमेता निवासी 24 वर्षीय अरुण सिंह ठाकुर ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई है। अरुण धनवंतरीनगर स्थित शराब दुकान में काम करता है। उसने पुलिस को बताया कि वह शराब दुकान की बोलेरो क्रमांक एमपी 20 पीए 1063 से पवन झारिया, निक्की देवक और दीपक बर्मन के साथ तिलवारा घाट दर्शन के लिए जा रहा था। बोलेरो पवन झारिया चला रहा था, जबकि अरुण पीछे की सीट पर बैठा था। अरुण के अनुसार सुबह करीब 11.30 बजे वे बड़ा पत्थर स्थित भवानी पान ठेले के पास पहुंचे। वाहन रुकने के बाद वह पानी की बोतल खरीदने के लिए नीचे उतरा। इसी दौरान पान ठेले पर काम करने वाला बजरंगी अपने एक अन्य साथी के साथ उसके पास पहुंचा। दोनों ने उसके साथ गाली-गलौज करते हुए शराब पीने के लिए रुपये की मांग शुरू कर दी। अरुण ने रुपये देने से इनकार किया तो बजरंगी के साथी ने उसके साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान बजरंगी ने चाकू से हमला कर दिया, जिससे अरुण के बाएं हाथ में चोट लग गई। अचानक हुए हमले के बाद उसके साथ मौजूद लोगों ने बीच-बचाव किया और उसे आरोपियों से बचाया। पुलिस के अनुसार बीच-बचाव होने पर बजरंगी और उसका साथी मौके से भाग गए। जाते समय दोनों ने अरुण और उसके साथियों को जान से मारने की धमकी भी दी। घटना के बाद अरुण ने तिलवारा थाने पहुंचकर पुलिस को पूरी घटना की जानकारी दी और आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। तिलवारा पुलिस ने अरुण सिंह ठाकुर की रिपोर्ट पर दोनों आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने धारा 296(ए), 115(2), 119(1), 351(3) और 3(5) बीएनएस के तहत अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की है। पुलिस ने बताया कि मामले में मुख्य आरोपी बजरंगी और उसके साथी की तलाश की जा रही है। घटना में इस्तेमाल किए गए चाकू और आरोपियों की भूमिका के संबंध में भी जांच की जा रही है।

घर में घुसकर युवक पर कांच से हमला, मां के सामने मारपीट



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। माढ़ोताल थाना क्षेत्र के लमती मानस चौक स्थित एक मकान में घुसकर कुछ युवकों ने मां के सामने उसके बेटे के साथ मारपीट कर कांच से हमला कर दिया। हमले में युवक के मुंह, होंठ और हाथ में चोटें आई हैं। घटना के बाद पुलिस ने पीड़ित की मां की रिपोर्ट पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। माढ़ोताल पुलिस के अनुसार लमती मानस चौक निवासी 47 वर्षीय काजल खत्री ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई है। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह दोपहर के समय घर में खाना बना रही थीं। उनका 24 वर्षीय बेटा यश खत्री भी घर पर मौजूद था। इसी दौरान दोपहर करीब 3.45 बजे विनय शिवहरे अपने कुछ साथियों के साथ उनके घर पहुंचा। पुलिस के अनुसार आरोपी घर के अंदर घुसते ही गाली-गलौज करने लगे और यश खत्री के बारे में पूछने लगे। काजल ने अपने बेटे को आवाज देकर बुलाया। यश के सामने आने पर विनय शिवहरे और उसके साथ आए युवकों ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी। आरोपियों ने यश के साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट करना शुरू कर दिया। बेटे के साथ मारपीट होते देखकर काजल ने बीच-बचाव करने का प्रयास किया। इसी दौरान विवाद बढ़ गया और आरोपियों ने युवक पर कांच से हमला कर दिया। कांच से हमला किए जाने के कारण यश के मुंह और होंठ के अलावा हाथ में चोटें आईं। घटना के बाद घर में अफरा-तफरी की स्थिति बन गई। हमले के बाद आरोपी मौके से चले गए। घटना के बाद काजल ने पुलिस थाने पहुंचकर मामले की जानकारी दी। माढ़ोताल पुलिस ने काजल खत्री की रिपोर्ट के आधार पर विनय शिवहरे और उसके साथ आए अन्य युवकों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने घटना से जुड़े तथ्यों की जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की तलाश की जा रही है।

माढ़ोताल में मकान का ताला तोड़कर अलमारी से सामान चोरी



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। माढ़ोताल थाना क्षेत्र में अमृत तीर्थ जैन मंदिर के पीछे स्थित एक मकान में अज्ञात चोरों ने धावा बोल दिया। चोरों ने कमरे का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया और अलमारी में रखा सामान लेकर फरार हो गए। घटना का पता मकान मालिक के भतीजे को चला, जिसके बाद पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर चोरों की तलाश शुरू कर दी है। माढ़ोताल पुलिस के अनुसार शिक्षक कॉलोनी उखरी रोड निवासी 63 वर्षीय सुनील कुमार शर्मा ने घटना की रिपोर्ट दर्ज कराई है। सुनील कुमार शर्मा जल संसाधन विभाग से सेवानिवृत्त हैं। उनका वाजपेयी करमेता अमृत तीर्थ जैन मंदिर के पीछे मकान है, जिसमें मनीष जैन किराये से रहते हैं। मनीष कपड़े का कारोबार करते हैं। पुलिस को दी शिकायत में सुनील कुमार शर्मा ने बताया कि सुबह करीब 10 बजे उनके भतीजे निखिल शर्मा ने उन्हें मकान में रहने वाले मनीष जैन के कमरे का ताला टूटे होने की जानकारी दी। सूचना मिलने के बाद सुनील मकान पर पहुंचे और अंदर जाकर देखा तो सामान अस्त-व्यस्त पड़ा हुआ था। जांच करने पर पता चला कि कमरे का ताला तोड़कर कोई अज्ञात व्यक्ति अंदर घुसा था। इसके बाद चोर ने कमरे में रखी अलमारी को खंगाला और उसमें रखा सामान चोरी कर लिया। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वारदात 21 तारीख की रात से सुबह करीब 5 बजे के बीच हुई। मकान मालिक के अनुसार चोरी की घटना के समय मनीष जैन घर पर मौजूद नहीं थे। उनके वापस आने के बाद ही चोरी हुए सामान की पूरी जानकारी सामने आ सकेगी। फिलहाल पुलिस ने चोरी गए सामान का विवरण जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। घटना की सूचना मिलने के बाद माढ़ोताल पुलिस ने मौके से संबंधित जानकारी जुटाई और आसपास के क्षेत्र में भी जांच की। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि मकान में चोरी करने के बाद आरोपी किस दिशा में गए और वारदात में कितने लोग शामिल थे।

पर्यावरण बचाने का संदेश देकर किया हुआ श्री गणेश का विसर्जन



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। विगत 10 वर्षों से लगातार पर्यावरण का संदेश देते हुए मुस्कान सिटी में गणेश विसर्जन किया गया। इस मौके पर विधि विधान से श्री गणेश भगवान की प्रतिमा का पूजन अर्चन किया गया और फिर घर में ही विसर्जन किया गया। आयोजन के दौरान यह संदेश दिया गया कि हमें अपने आसपास के तालाबों और नदियों को कैसे स्वच्छ और सुरक्षित रखना है उसके लिए इस मुहीम को हमें हर घर तक हर जन तक पहुंचाना होगा। आयोजन को सफल बनाने में और पर्यावरण संदेश लोगों तक पहुंचाने में धानवी सिंह परिहार, निहारिका ,विजेश, निधर्शना , नंदिशा, ध्वनि ,शौर्य ,श्रेयांश ,सुधांशु की अहम भूमिका रही।

"नशा मुक्त युवा ही विकसित भारत का आधार"



दैनिक रेवांचल टाइम्स, जबलपुर। सेंट अलॉयसियस इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, गौर, जबलपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना (NSS) इकाई द्वारा 'नशा मुक्त युवा फॉर विकसित भारत' विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ ईश्वरीय प्रार्थना के साथ किया गया। कार्यक्रम में आये विशिष्ट अतिथि एवं मुख्य वक्ता के रूप में श्री सुनील गर्ग (एग्जीक्यूटिव मेंबर जिला रेड क्रॉस सोसाइटी एवं डिवीजनल वार्डन सिविल डिफेंस, जबलपुर) जी का स्वागत महाविद्यालय की प्राचार्य द्वारा शॉल एवं पौधा देकर किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के निदेशक फादर तंकच्चन जोस एवं प्राचार्य डॉ. रेणु पाण्डेय जी ने की। श्री सुनील गर्ग जी ने अपने उद्बोधन में कहा कि विकसित भारत का सपना तभी साकार होगा जब देश का युवा नशा मुक्त होगा। उन्होंने युवाओं से नशे को 'ना' कहने और अपने लक्ष्य पर केंद्रित रहने का आह्वान किया। इसके साथ ही नशा न करने की शपथ दिलाई। कार्यक्रम की इसी कड़ी में स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का भी आयोजन किया गया। कार्यक्रम में आये मुख्य अतिथि श्री अशोक ईश्वरदास रोहाणी (केंट विधायक)एवं रिंकू विज (अध्यक्ष, नगर निगम जबलपुर)जी का स्वागत शॉल एवं पौधा देकर किया गया। रोहाणी जी ने विद्यार्थियों को 'नशामुक्त भारत' का संकल्प पूरा करने के लिए आग्रह करते हुए स्वास्थ्य परीक्षण शिविर का महत्व बताया । साथ ही विद्यार्थियों से स्वस्थ भारत का निर्माण करने का आग्रह किया। शिविर में महाविद्यालय के सभी छात्र -छात्राओं एवं शिक्षकगण ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। कार्यक्रम का सफल मंच संचालन श्री अमन शर्मा(सहायक प्राध्यापक)ने किया। कार्यक्रम के आयोजन में एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. सीमा पाठक एवं श्री अजय राणा की अहम भूमिका रही। इस अवसर परएनएसएससदस्य सुश्री अश्विनी नागर एवं अंकित तिवारी (सहायक प्राध्यापक) सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं एवं प्राध्यापकगण उपस्थित रहे।

15 दिन से ट्रांसफार्मर बंद, पानी-बिजली संकट से जूझ रहे ग्रामीण, पंचायत ने भी नए ट्रांसफार्मर की मांग की

जेई कार्यालय में दिया धरना, जेई पर रुपये मांगने का आरोप



दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। ग्राम पंचायत रक्सा के वार्ड क्रमांक 16 में पिछले करीब 15 दिनों से विद्युत ट्रांसफार्मर बंद होने के कारण ग्रामीणों को बिजली और पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। समस्या का निराकरण नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने गुरुवार को विद्युत विभाग के जेई कार्यालय पहुंचकर धरना दिया। वहीं, ग्राम पंचायत रक्सा की ओर से भी विद्युत विभाग को शिकायत पत्र सौंपकर वार्ड में नया विद्युत ट्रांसफार्मर लगाए जाने की मांग की गई है। धरने पर बैठे ग्रामीणों ने बताया कि वार्ड क्रमांक 16 में लगा ट्रांसफार्मर करीब 15 दिनों से बंद है। विद्युत आपूर्ति बाधित होने के कारण पानी की सप्लाई से जुड़ी मोटर भी संचालित नहीं हो पा रही है, जिससे ग्रामीणों के सामने पेयजल संकट की स्थिति बनी हुई है। ग्रामीणों की समस्या को लेकर ग्राम पंचायत रक्सा की ओर से भी विद्युत विभाग को शिकायत पत्र सौंपा गया है। शिकायत में वार्ड क्रमांक 16 में नया विद्युत ट्रांसफार्मर लगाए जाने की मांग की गई है। पंचायत एवं ग्रामीणों का कहना है कि विद्युत आपूर्ति बाधित होने का सीधा असर पेयजल व्यवस्था पर पड़ रहा है। ग्रामीणों ने यह भी कहा कि विद्युत बिल नियमित रूप से जमा किए जाने के बावजूद उन्हें सुचारू विद्युत सुविधा नहीं मिल पा रही है। धरने पर बैठे ग्रामीणों ने विद्युत विभाग के जेई मनीष जोशी पर ट्रांसफार्मर लगवाने के लिए कथित रूप से पैसे मांगने तथा अभद्र व्यवहार किए जाने के आरोप लगाए हैं। ग्रामीणों ने इन आरोपों की विभागीय स्तर पर निष्पक्ष जांच कराए जाने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार समस्या के समाधान के लिए विभागीय अधिकारियों से संपर्क किया गया, लेकिन ट्रांसफार्मर चालू नहीं होने के कारण उन्हें धरने पर बैठने के लिए मजबूर होना पड़ा। ग्रामीणों ने मांग की है कि खराब ट्रांसफार्मर को तत्काल बदलकर विद्युत एवं पेयजल व्यवस्था बहाल की जाए। साथ ही जेई पर लगाए गए पैसे मांगने और कथित अभद्र व्यवहार के आरोपों की निष्पक्ष जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाए। ग्रामीणों का कहना है कि बिजली और पेयजल जैसी मूलभूत सुविधाओं से करीब 15 दिनों तक वंचित रहना गंभीर जनहित का विषय है।

कार ने स्कूटी को मारी टक्कर, महिला पुरुष की हालत गंभीर, मेडिकल कॉलेज रेफर, कार चालक हुआ फरार



दैनिक रेवांचल टाइम्स अनुपपुर। कोतवाली थाना से 12 किलोमीटर दूर रामपुर-कोदैली मार्ग पर एक कार और स्कूटी की टक्कर हो गई। इस हादसे में स्कूटी सवार एक महिला और पुरुष गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही यातायात पुलिस की हाईवे टीम मौके पर पहुंची। टीम ने दोनों घायलों को तुरंत वाहन से जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को मेडिकल कॉलेज शहडोल रेफर कर दिया। वहीं कार छोड़कर चालक मौके फरार हो गया। स्थानिय लोगो के अनुसार दो पहिया वाहन रामपुर-कोदैली गांव के भीतर के रास्ते सीधे राष्ट्रीय राजमार्ग में आया जहां से गुजर रहीं कार से जा टकराया टक्कर इतनी जबरदस्त थी की कार सड़क किनारे खेत में घुस गई। और दो पहिया वाहन चालक दुर्गेश बैगा पुत्र निराला बैगा और पीछे बैठी सरवरिया बैगा पति रघुनाथ बैगा के रूप में घायल हो गये। दोनों रामपुर, थाना अमलाई, जिला शहडोल के रहने वाले हैं। सरवरिया बैगा रिश्ते में दुर्गेश की मामी हैं और धनपुरी ओसीएम में काम करती हैं। जिन्हे यातायात पुलिस और ग्रमीणों की मदद से दोनों घयलों को जिला चिकित्सालय पहुंचाया गया। कार चालक की पहचान 28 वर्षीय एराज खान पुत्र सफीक खान निवासी धनपुरी, शहडोल जो घटना के बाद से फरार है। सरवरिया बैगा के सिर में गंभीर चोट लगी है और उनका बायां हाथ टूट गया है। शरीर के अन्य हिस्सों में भी अंदरूनी चोटें हैं। वहीं, दुर्गेश बैगा के दोनों पैरों में चोटें आई हैं और शरीर में अंदरूनी चोटें हैं। यातायात पुलिस ने बताया कि कार शहडोल की ओर से रामपुर आ रही थी। स्कूटी सवार रामपुर-कोदैली गांव के भीतर के रास्ते रामपुर से कोदैली की ओर जा रहे थे, जहां सीधे हाईवे पहुंचे और से सामने से गुजर रही कार से उनकी टक्कर हो गई। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है, लेकिन उसका चालक अभी फरार है। घायलों की हालत गंभीर होने पर उन्हें शहडोल रेफर किया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालय में एक लय एक स्वर में गूंजा वन्दे मातरम गीत



दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान नई दिल्ली के तत्वावधान में पूरे भारत वर्ष के कोने कोने में संचालित सरस्वती शिशु मंदिर विद्यालयों में 25 सितंबर 2026 को नमामि भारतम् (वन्देमातरम् सामूहिक गायन) एक समय, एक लय, एक स्वर में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस तारतम्य में सरस्वती शिशु मंदिर पाण्डवनगर शहडोल विद्यालय के श्री गुरुजी सभागार में भी नमामि भारतम् (वन्देमातरम् सामूहिक गायन) कार्यकम का आयोजन सुबह 11.00 बजे किया गया। कायक्रम में उपस्थित अतिथियों के द्वारा माँ सरस्वती की पूजा अर्चन एवं दीप प्रज्जवलन के साथ विद्यालय के अग्रेसर बहिनों के साथ सभागार में उपस्थित करीब 500 छात्र / छात्राओं की उपस्थिति में ज्ञान की देवी माँ सरस्वती जी की वंदना गाई गयी। इस अवसर पर विद्यालय कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री मुकेश तिवारी, पूर्व कुलपति शिक्षाविद पं. शंभूनाथ विश्वविद्यालय शहडोल, कार्यक्रम में मुख्य रूप से मुन्द्रिका सिंह संयुक्त आयुक्त विकास शहडोल सभाग, श्रीमती भारती गुप्ता अध्यक्ष सरस्वती शिशु मंदिर शहडोल, महेन्द्र सराफ वरिष्ठ अधिवक्ता, योगेन्द्र प्रकाश चतुवेर्दी राजनीतिक समाजसेवी, संतोष लोहानी पूर्व व्यवस्थापक सरस्वती शिशु मंदिर शहडोल, विष्णुकान्त मिश्रा व्यवस्थापक सरस्वती सरस्वती शिशु मंदिर शहडोल, गौतम राज समिति सदस्य, सौरभ गोले समिति सदस्य एवं संस्था के प्राचार्य अनिल कुमार द्विवेदी, विद्यालय परिवार आचार्य एवं दीदीयों सहित विद्यालय के समस्त भैया / बहिनों की उपस्थिति रही।

कन्या पूजन के साथ बरबसपुर को 3.70 करोड़ के छात्रावास की सौगात, विधायक मीना सिंह ने किया शिलान्यास



दैनिक रेवांचल टाइम्स उमरिया। जिले के शैक्षणिक इतिहास में यह दिन स्वर्णिम अक्षरों में लिखा गया। भोई बाबा की पावन और पुण्य भूमि बरबसपुर में शिक्षा के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक और युगांतकारी सौगात मिली। शासकीय छात्रावास बरबसपुर परिसर में वैदिक मंत्रोच्चार और कन्या पूजन के साथ 50 सीटर बालक और 50 सीटर बालिका छात्रावास के नवीन, सर्वसुविधायुक्त भवन का भव्य शिलान्यास किया गया। इस महत्वाकांक्षी कार्य के लिए शासन द्वारा 370 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई है, जिसमें से प्रथम चरण में 2 करोड़ 70 लाख रुपये से छात्रावास भवन का निर्माण किया जाएगा। इस निर्माण की जिम्मेदारी अनुभवी ठेकेदार धर्मेन्द्र विश्वकर्मा को सौंपी गई है। कार्यक्रम का शुभारंभ शासकीय मांडल उमा विद्यालय बरबसपुर की प्रतिभाशाली छात्राओं द्वारा प्रस्तुत मधुर स्वागत गीत से हुआ, जिसने पूरे वातावरण को भक्तिमय और उत्साहपूर्ण बना दिया। इसके पश्चात अतिथियों का माल्यार्पण कर आत्मीय स्वागत किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण और गौरव का क्षण तब आया जब कक्षा 10वीं में 98 प्रतिशत अंक लाकर पूरे अंचल का नाम गौरवान्वित करने वाली होनहार छात्राएं अर्पिता द्विवेदी और आराधना मेहरा को मंच पर सम्मानित किया गया। विधायक मीना सिंह ने कहा कि पहले हमारे क्षेत्र में शिक्षा के लिए सुविधाओं का घोर अभाव था। पूरे क्षेत्र में एक ही हायर सेकेंडरी विद्यालय होता था, उसी में सभी बच्चों को कठिनाइयों के साथ अध्ययन करना पड़ता था, विशेषकर हमारी बेटियों को। लेकिन जब से भारतीय जनता पार्टी की सरकार आई है, शिक्षा के क्षेत्र में क्रांति आ गई है। बरबसपुर विद्यालय के लिए 10 एक-ड़ भूमि स्वीकृत हो गई है। इसे अब संदीपनी और सीएम राइज जैसे अत्याधुनिक विद्यालय के रूप में विकसित किया जाएगा। करीब 40 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाला यह विद्यालय सर्व सुविधा युक्त होगा, जहां एक ही विषय के एक से अधिक योग्य शिक्षक रहेंगे, स्मार्ट क्लास, लैब, लाइब्रेरी सब होगा।



छात्रावास में छात्र के ऊपर गिरा पंखा, घायल को अस्पताल में कराया गया भर्ती, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

दैनिक रेवांचल टाइम्स अनूपपुर। इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक के गुरु गोविंद बालक छात्रावास में एक छात्र के ऊपर सीलिंग फैन गिरने की घटना सामने आई है। हादसे में छात्र के सिर पर चोट लगी, जिसके बाद उसे उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घटना के बाद छात्रावास में रह रहे अन्य छात्रों की सुरक्षा को लेकर सवाल उठने लगे हैं। जानकारी के अनुसार, छात्रावास में छात्र अपने कमरे में मौजूद था। इसी दौरान सीलिंग फैन गिर गया, जिसकी चपेट में आने से छात्र घायल हो गया। उसके सिर में चोट लगने के बाद तत्काल अस्पताल ले जाया गया, जहां उसका उपचार कराया जा रहा है। घटना के बाद छात्रावास में रहने वाले छात्रों के बीच सुरक्षा व्यवस्था को लेकर चिंता बनी हुई है। छात्रों का कहना है कि छात्रावास के कमरों में लगे पंखों और अन्य विद्युत उपकरणों की समय-समय पर जांच और रखरखाव किया जाना जरूरी है। यदि समय रहते उपकरणों की स्थिति की जांच की जाती तो इस तरह की घटना को रोका जा सकता था। इस घटना ने विश्वविद्यालय प्रशासन की व्यवस्थाओं पर भी सवाल खड़े किए हैं। छात्रावास में बड़ी संख्या में विद्यार्थी रहते हैं और उनकी सुरक्षा की जिम्मेदारी विश्वविद्यालय प्रशासन की है। ऐसे में छात्र के ऊपर सीलिंग फैन गिरने की घटना को गंभीरता से लेते हुए छात्रावास के अन्य कमरों में लगे पंखों की भी जांच कराने की मांग उठ रही है। घटना के संबंध में विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से अभी तक विस्तृत जानकारी सामने नहीं आई है। वहीं, छात्रों और उनके परिजनों में इस बात को लेकर नाराजगी है कि छात्रावास में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर जिम्मेदार अधिकारी क्या कदम उठाते हैं। घायल छात्र की स्थिति और घटना के कारणों को लेकर विश्वविद्यालय प्रशासन के आधिकारिक बयान का इंतजार है।



लाइक बटोरने सोशल मीडिया पर अश्लील सामग्री अपलोड करना पड़ा भारी, चार युवक गिरफ्तार

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। सोशल मीडिया पर अश्लील सामग्री अपलोड करना चार युवकों को भारी पड़ गया। फेसबुक पर अश्लील वीडियो अपलोड करने के मामले में पुलिस ने कार्रवाई करते हुए चार युवकों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उन्हें न्यायालय में पेश किया, जहां से सभी को जेल भेज दिया गया। मामला बुढ़ार थाना क्षेत्र के बिरुहली गांव का बताया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, बिरुहली निवासी सुमित केवट, सत्यम केवट, किशन लेवर और राहुल केवट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म फेसबुक पर अश्लील वीडियो अपलोड किया था। बताया जा रहा है कि वीडियो कई दिनों तक सोशल मीडिया पर उपलब्ध रहा। इसकी जानकारी जैसे ही बुढ़ार पुलिस को मिली तो सोशल मीडिया पर अपलोड की गई सामग्री को संज्ञान में लिया और मामले की जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस ने संबंधित युवकों की पहचान कर उनके खिलाफ प्रकरण दर्ज किया। इसके बाद पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए चारों युवकों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर आपत्तिजनक और अश्लील सामग्री अपलोड करना कानूनी कार्रवाई का कारण बन सकता है। पुलिस की ओर से सोशल मीडिया गतिविधियों पर भी नजर रखी जा रही है और आपत्तिजनक सामग्री सामने आने पर नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

अखिल भारतीय हिंदू युवा मंच की राष्ट्रीय महामंत्री निर्वाचित हुईं डॉ. नूतन सिंह चौहान

दैनिक रेवांचल टाइम्स शहडोल। राष्ट्रीय अधिवेशन में संतों, महंतों एवं महामंडलेश्वरों की उपस्थिति में अखिल भारतीय हिंदू युवा मंच की नई राष्ट्रीय कार्यकारिणी को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया। श्री 1008 पूज्य स्वामी रूपेन्द्रप्रकाश महाराज के समक्ष राष्ट्रीय कार्यकारिणी के प्रस्ताव पर कोर कमेटी के अनुमोदन के बाद डॉ. नूतन सिंह चौहान को आगामी दो वर्षों के लिए अखिल भारतीय हिंदू युवा मंच का राष्ट्रीय महामंत्री निर्वाचित किया गया। राष्ट्रीय अधिवेशन के दौरान संगठन के पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने डॉ. नूतन सिंह चौहान के निर्वाचन का स्वागत किया। इस अवसर पर संत समाज की उपस्थिति में संगठन के आगामी कार्यक्रमों और कार्ययोजनाओं को लेकर भी चर्चा की गई। डॉ. नूतन सिंह चौहान को राष्ट्रीय महामंत्री की जिम्मेदारी मिलने पर संगठन से जुड़े पदाधिकारियों एवं कार्यकताओं ने उन्हें शुभकामनाएं दीं। कार्यकताओं ने विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संगठन के कार्यों को नई दिशा मिलेगी और युवाओं को संगठन से जोड़ने के साथ विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने में सहयोग मिलेगा। अखिल भारतीय हिंदू युवा मंच के आगामी दो वर्षों के कार्यकाल के लिए डॉ. नूतन सिंह चौहान का निर्वाचन संगठन के लिए महत्वपूर्ण निर्णय माना जा रहा है।



कार्यालय, नगर पालिका परिषद् कोतमा, जिला-अनूपपुर (म० प्र०)

Office: Municipal Council Kotma Dt-Anuupur(M.P.) E:mail-cmokotma@mpurban.gov.in ☎(07658)233260

क्रमांक-4266/न0पा0/भण्डार/जेम बिड/2026 कोतमा, दिनांक 25/09/26

–: निविदा विज्ञप्ति :–

(प्रथम आमंत्रण)

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित आपूर्ति/कार्य हेतु ऑनलाइन जेम पोर्टल में पंजीकृत फर्मो एवं ठेकेदारो से ऑनलाइन निविदा दरें आमंत्रित की जाती है।

क्र.	जेम बिड क्रमांक	सामग्री का नाम	लागत राशि	अमानत राशि	अंतिम तिथि
01	GEM/2026/B/8073842 23-09-2026	एल.ई.डी. डिस्प्ले सिस्टम –02 नग	26 लाख	26000.00	23.10.2026

1– उल्लेखित कार्यो के निविदाओं का विस्तृत विवरण वेबसाईट https://gem.gov.in/ पर देखा जा सकता है।

2– निविदा में किसी भी प्रकार का संशोधन किये जाने पर समाचार पत्र में प्रकाशित नहीं किया जावेगा। निविदा में किया गया संशोधन वेबसाईट पर देखा जा सकता है।

मुख्य नगरपालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद कोतमा
जिला-अनूपपुर (म.प्र.)

संपादकीय

ज्ञानेश का चुनाव आयोग!

भारत के चुनाव आयोग के भीतर की असहमतियां सामान्य नहीं हैं। वे राजनीतिक भी नहीं हैं। राहुल गांधी और अखिलेश यादव सरीखे विपक्षी नेताओं के आरोप भी नहीं हैं। याद रखना चाहिए कि चुनाव आयोग कोई एक व्यक्ति नहीं, बहुसदस्यीय संवैधानिक संस्था है। यह व्यवस्था और दर्जा संसद में पारित किया गया है। 1995 में तत्कालीन प्रधानमंत्री पीवी नरसिंह राव की सरकार ने चुनाव आयोग को तीन सदस्यीय कर उसे अधिनायकवाद से बचाया था। तब की कांग्रेस सरकार तत्कालीन मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) टीएन शेषन से बहुत दुखी और परेशान थी, नतीजतन आयोग में तीन आयुक्तों की व्यवस्था की गई। सीईसी और दो अन्य आयुक्तों की संवैधानिक शक्तियां एक समान तय की गईं। अलबत्ता सीईसी बैठकों की अध्यक्षता जरूर कर सकते हैं, यह भी तय किया गया। कोई भी फैसला, आदेश, निर्देश चुनाव आयोग का तब मान्य और स्वीकार्य होगा, जब आयुक्त सर्वसम्मति या बहुमत से निर्णय लेंगे। इंडियन एक्सप्रेस की खोजी खबर और विश्लेषण के बाद चुनाव आयोग का भीतरी यथार्थ और विरोधाभास सार्वजनिक हुए हैं कि 10 महीने में 14 आपत्तियां दो चुनाव आयुक्तों-सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी-ने जताई हैं। उनमें से कुछ सीईसी को भी भेजी गई हैं। ये सामान्य आपत्तियां नहीं हैं। संवैधानिक शख्स की आवाज हैं। वैचारिक मतभेद और बहुसदस्यीय आयोग होने के कारण अथवा किसी भी विविध मंच पर ऐसी असहमतियां जताना बुनियादी तौर पर लोकतांत्रिक है। सवाल है कि चुनाव आयोग का भीतरी मामला कैबिनेट सचिव तक पहुंचने की नौबत क्यों आई? दोनों असहमत आयुक्तों ने कैबिनेट सचिव को चिट्ठियां लिख कर शिकायत क्यों दर्ज कराई? चुनाव आयोग भारत सरकार के तहत काम नहीं करता, बल्कि राष्ट्रपति के प्रति जवाबदेह है। राष्ट्रपति ही सीईसी सहित तीनों चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति करते हैं, बेशक भारत सरकार की सलाह पर ही नियुक्तियां की जाती हैं। असहमत आयुक्तों को सीधा राष्ट्रपति को पत्र लिख कर शिकायत करनी चाहिए थी। क्या ऐसे संदर्भ के बावजूद आयोग दावा कर सकता है कि सभी फैसले सर्वसम्मति से लिए जाते हैं? दूसरा मामला फॉर्म 6 का चुनाव आयुक्तों ने उठाया है। यह संविधान और सरकारी कार्यप्रणाली का घोर उल्लंघन भी है, यदि फॉर्म में बदलाव किए गए हैं! दोनों असहमत चुनाव आयुक्तों ने फॉर्म 6 में कथित बदलाव को अवैध और अनधिकृत करार दिया है। आयोग को ऐसे संशोधन या परिवर्तन करने का कोई संवैधानिक अधिकार नहीं है। बदलाव का विशेषाधिकार सरकार और संसद को है। कानून मंत्रालय का विधायी विभाग अपेक्षित बदलाव के बाद गजट में अधिसूचना जारी करता है। उसके बाद ही चुनाव आयोग किसी बदलाव को लागू और प्रभावी कर सकता है। इसके अलावा, दोनों असहमत चुनाव आयुक्तों ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर), काटे गए करीब 13.37 करोड़ मतदाताओं के नाम, मतदाता सूचियों के केंद्रीकरण, आईटी विभाग की डीजी सीमा खन्ना, मतदाता पंजीकरण अधिकारी (ईआरओ) की संबद्ध विभाग तक पहुंच न होने, संपूर्ण आयोग के फैसले या निर्देश के बिना ही आधिकारिक बयान जारी करने और अधिकारियों की विदेश यात्रा, बैठकों के एजेंडे और मिनट्स उपलब्ध न कराए जाने पर भी आपत्तियां दर्ज कराई गई हैं। इसके साफ मायने हैं कि आयोग में सीईसी का अधिनायकवाद और एकाधिकार जारी रहा है। फैसले सीईसी ज्ञानेश कुमार गुप्ता के स्तर पर ही लिए जाते रहे हैं। मतदाता सूचियों के केंद्रीकरण का मतलब यह है कि आयोग के स्तर पर किसी भी मतदाता का नाम जोड़ा या काटा जा सकता है। बंगाल, बिहार, महाराष्ट्र, हरियाणा में हम ऐसा महसूस कर चुके हैं। बंगाल में ट्रिब्यूनल काम कर रहे हैं और अभी तक 91 फीसदी से अधिक मतदाताओं को बहाल किया जा चुका है। उनके नाम सूची में शामिल करने के विरोध की भी अपील की गई है। उसमें भी चुनाव आयोग की भूमिका सामने आई है, क्योंकि असहमत आयुक्तों ने सवाल उठाए हैं। बहरहाल आश्चर्य यह है कि अखबार की सांगोपांग खबर को न तो तीनों आयुक्तों में से किसी ने भी खारिज किया है और न ही तीनों ने एक साथ सार्वजनिक मंच पर आकर स्पष्टीकरण दिया है। आयोग के उपनिदेशक की सफाई सरकारी किस्म की, बेमानी है। विपक्ष और देश के निशाने पर सीईसी हैं। सवाल किए जा रहे हैं कि क्या चुनाव आयोग ज्ञानेश कुमार का ही है? विपक्ष उनके खिलाफ केस दर्ज करने और उनकी गिरफ्तारी तक की मांग कर रहा है। देश के युवा भी कई सवाल कर रहे हैं।

ब्रज क्षेत्र में गोपाल मंदिर की अद्भुत कथा

गोपाल जी के विग्रह को मंदिर में स्थापित करने के लिए बहुत बड़ा उत्सव किया गया। मानो सारा ब्रज क्षेत्र एक साथ एकत्रित हो गया हो। कुछ दिन पहले वृंदावन जाने का अवसर मिला। वहां भक्ति काल के संत हरि दास जी की स्मृति में पिछले एक सौ पचास साल से राधा अष्टमी के दिन शास्त्रीय संगीत का उत्सव होता है। इस बार आयोजकों ने संत हरिदास जी के साहित्य पर चर्चा करने के लिए मुझे भी बुलाया था। वृंदावन में कई मित्रों ने आग्रह किया जब इतनी दूर आए हो तो राधाकुंड में गोपाल जी के मंदिर के दर्शन अवश्य करें। एक आध ने तो यहां तक कहा कि गोपाल जी से मिले बिना यात्रा अधूरी मानी जाती है। राधाकुंड वृंदावन से बीस किलोमीटर दूर है। श्रीमती रजनी साथ थीं। इसलिए हम गोपाल जी के मंदिर में गए। वहां मणिपुर के ही एक वैज्ञानिक सुखदेव दास मिल गए जो मंदिर में ही रहते हैं। अब गोपाल जी के मंदिर की कथा कहां से शुरू की जाए? इसे मणिपुर रियासत के राजा महाराजा कुलचन्द्र सिंह से शुरू करते हैं। उसने अंग्रेज सरकार के खिलाफ युद्ध छेड़ दिया था। इस लड़ाई में असम के चीफ कमिश्नर समेत सभी अंग्रेज हमलावरों को पराजित कर पकड़ लिया और उनको मृत्यु दंड दे दिया। लेकिन अंततः जीत अंग्रेजों की ही हुई।



मणिपुर के सेनापति टिकेन्द्र जीत सिंह और अनेक अन्य विद्रोहियों को फांसी पर लटका दिया। महाराजा कुलचन्द्र सिंह और उसके बाईस साथियों को काला पानी भेज दिया। उन दिनों अंडमान टापू में अभी जेल का निर्माण हो ही रहा था। अतः मणिपुर के इन कैदियों को दक्षिणी अंडमान में माउंट हैरियट पर रखा गया था। (भारत सरकार ने अक्तूबर 2021 को इस पर्वत का नाम माउंट मणिपुर कर दिया और पर्वत के नाम से बने राष्ट्रीय पार्क का नाम माउंट मणिपुर राष्ट्रीय पार्क कर दिया।) बाद में अंडमान जेल से कुलचन्द्र सिंह को बिहार की हजारीबाग जेल में स्थानांतरित कर दिया गया।

हजारीबाग जेल से मुक्त होने पर भी अंग्रेजों ने उन्हें मणिपुर नहीं जाने दिया। तब कुलचन्द्र महाराज ने ब्रज क्षेत्र के राधाकुंड में स्थित राधा गोविंद देव जी मंदिर में ठिकाना किया। इस मंदिर का निर्माण मणिपुर के ही महाराजा गंभीर सिंह ने करवाया था। इसे बड़ा कुंज भी कहा जाता है। हो सकता है जब इसका निर्माण हुआ होगा तो इस क्षेत्र में वृक्षों के घने कुंज रहे हों। यह मंदिर राधाकुंड और श्यामकुंड दोनों के ही समीप है। इसी बड़ा कुंज में कुलचन्द्र ने 1934 में अपना शरीर त्यागा था। यह तो हुई स्वतंत्रता सेनानी कुलचन्द्र सिंह जी की कथा। लेकिन मूल प्रश्न तो अभी भी अनुत्तरित ही है कि गोपाल जी का मंदिर किसने और क्यों बनाया? यह कहानी लंबी है, लेकिन ऐतिहासिक है। मणिपुर के महाराजा चुराचन्द्र सिंह (1885-1941) दिल्ली में नरेन्द्र मंडल की किसी बैठक में भाग लेने आए थे। वे अपने चाचा कुलचन्द्र सिंह को मिलने के लिए राधा कुंड में पहुंचे। रात्रि में सोते समय उनको स्वप्न में श्री कृष्ण जी अपने बालरूप में दिखाई दिए। गोपाल जी ने महाराजा को कहा कि राधाकुंड के पास मेरे लिए एक पूर्वामुखी मंदिर का निर्माण करो, ताकि मैं मंदिर के अन्दर अपने सिंहासन पर से ही निरंतर राधाकुंड को देख सकूं। मंदिर और वेदी का स्थान ऐसी स्थिति में होना चाहिए ताकि सूर्योदय की पहली किरणें, खासकर बसंत और कार्तिक मास में, सीधे मेरे मुखमंडल पर पड़ें। चुराचन्द्र सिंह विस्मित हुए। उन्होंने पूछा- प्रभु मंदिर में स्थापित करने के लिए मुझे बालरूप यानी लड्डू गोपाल जी का विग्रह कहां से मिलेगा? तब श्री कृष्ण जी ने कहा- उसके लिए चिन्तित होने की जरूरत नहीं है। पहले मंदिर बनाओ। उसके बाद तो महाराजा को नींद नहीं आई। आ भी कैसे सकती थी। भोर होते ही उन्होंने अपने चाचा कुलचन्द्र सिंह को अपना सपना सुनाया। गोपाल जी मंदिर बनाने के लिए कह रहे हैं। उन्होंने किस स्थान पर मंदिर बनना चाहिए, उसका संकेत भी दिया है। महाराजा ने अपने इस स्वप्न की चर्चा स्थानीय लोगों से की। मंदिर के लिए जिस प्रकार के स्थान की कामना श्री कृष्ण जी ने की थी, उसके लिए जिस स्थान पर आज मंदिर बना हुआ है, वह स्थान अत्यन्त उपयुक्त लगा। लेकिन अब मसला उस स्थान को प्राप्त करने का था।

मणिपुर के ही एक वैष्णव संत, जो पूरे क्षेत्र में ठेंग बाबा के नाम से विख्यात थे, इस स्थान पर अपना आश्रम बना रहे थे। ठेंग बाबा को जैसे ही श्री कृष्ण जी के स्वप्न की बात चली तो वे तुरंत यह स्थान महाराजा चुराचन्द्र सिंह जी को देने के लिए तैयार हो गए। इसके एवज में महाराजा ने उनके आश्रम के लिए ठेंग बाबा को दूसरी जमीन खरीद कर दे दी। इस प्रकार श्री गोपाल जी मंदिर का निर्माण कार्य महाराजा चुराचन्द्र जी की देखरेख में सम्पन्न हुआ। कहा जाता है कि मंदिर में गुप्त द्वार से सीधे राधाकुंड के तल तक जाने का रास्ता भी था। गोपाल जी मंदिर का निर्माण कार्य तो स्वप्न में श्री कृष्ण जी के दिए गए निर्देशानुसार पूरा हो गया। लेकिन अब उसमें श्री गोपाल जी की मूर्ति अर्थात उनका विग्रह स्थापित करने का प्रश्न था। श्री कृष्ण जी ने पहले ही बता रखा था कि राधाकुंड झील के नजदीक ही एक टीले पर मैं रहता हूं। वैसे भी अब तक पूरे ब्रज प्रदेश में हल्ला पड़ चुका था कि गोपाल जी ने स्वयं मणिपुर के महाराजा चुराचन्द्र सिंह जी से कह कर अपने लिए राधाकुंड झील पर अपना मंदिर बनवाया है। अब दोनों भतीजा-चाचा महाराजा चुराचन्द्र सिंह और कुलचन्द्र सिंह चुपचाप उस ब्रजवासी पुजारी की तलाश में निकले जिसका जिक्र श्री कृष्ण जी ने किया था। राधा कुंड से बहुत दूर जाने की जरूरत नहीं पड़ी। घने वृक्षों में उन्हें एक टीला दिखाई दिया। टीले पर जाकर देखा तो एक ब्रजवासी गोपाल जी की पूजा अर्चना कर रहा था। कभी संस्कृत में कुछ बोलता और कभी ब्रजभाषा में कुछ गाता। महाराजा चुराचन्द्र सिंह और कुलचन्द्र सिंह पूजा के समाप्त होने की प्रतीक्षा करते रहे। उस पूरे वातावरण में ही अद्भुत शान्ति मिल रही थी। पूजा समाप्त हुई तो पुजारी ने दोनों को देखा। किसी को किसी का परिचय करवाने की आवश्यकता नहीं पड़ी। पुजारी कुछ क्षण दोनों को देख कर अवाक रह गया। भाव विह्वल होकर रोने लगा। उसकी आंखों से मानो आंसुओं की झड़ी ही लग गई हो।

वह रूंधे कंठ से बोला- मैं तो आपकी ही प्रतीक्षा कर रहा था। मुझे गोपाल जी ने निर्देश दिया है कि, ह्यमणिपुर के महाराजा ने अब मेरा मंदिर बना दिया है। यहां खुले में मुझे ठंड भी लगती है। इसलिए अब मुझे मेरे उस मंदिर में ले चलो। मैं वहीं रहूंगा।ह्न गोपाल जी का मंदिर बनाने की क्षमता मुझ में तो नहीं थी। लेकिन मैं सोचता रहता था कि गोपाल जी यहां टीले पर कितने समय तक रहेंगे। हमारा वंश यहीं पीढि?ों से गोपाल जी की पूजा अर्चना करता आ रहा था। सब उन्हीं की लीला है महाराज। आप स्वयं ही देख लीजिए, उन्होंने अपने भक्त को कहां से बुलाया। मणिपुर से। राधे राधे कह कर पुजारी फिर रोने लगा। आप गोपाल जी को ले जाएं महाराज। गोपाल जी तो सर्वत्र विद्यमान हैं। सब उनकी लीला है महाराज। यह कह कर वह एक बार फिर गोपाल जी की मूर्ति की ओर देखने लगा। मथुरा से वृन्दावन आ गए थे। वृन्दावन से बरसाना तक आने लगे। राधाकुंड में आ गए। सब लीला है। सब लीला है। फिर कुरुक्षेत्र चले गए। वहां क्या से क्या कर दिया। सब लीला है। सब लीला है।

गोपाल जी के विग्रह को मंदिर में स्थापित करने के लिए बहुत बड़ा उत्सव किया गया। मानों सारा ब्रज क्षेत्र एक साथ एकत्रित हो गया हो। मणिपुर से बहुत से श्रद्धालु लंबी यात्रा कर राधाकुंड नगर पहुंचे। यदुवंशियों के उत्साह का तो पारावार ही नहीं था। नए मंदिर में गोपाल जी का विग्रह स्थापित किया गया। पुजारी ने सोचा कि अब उसका पूजा का काम खत्म हो गया है, महाराजा मणिपुर के किसी पुजारी को मंदिर की पूजा अर्चना के लिए नियुक्त करेंगे। लेकिन महाराजा चुराचन्द्र सिंह ने उस ब्रजवासी पुजारी से आग्रह किया कि गोपाल जी की पूजा अर्चना इस मंदिर में भी आप ही करें। उपस्थित जन समुदाय ने हर्ष विभोर होकर तुमुल नाद किया, राधे राधे। इसके बाद यहां स्नान, पूजा-अर्चना हुई। भारत से अंग्रेजों का शासन खत्म करने की प्रार्थना हुई।

राशिफल

मेष राशि :- भाग्योदय का अच्छा समय है, संतान से सुखयोग, बाधा दूर होगी।

वृष राशि :- यात्रा में धन व्यय होगा, शरीर कष्ट प्राप्त होगा, मनोवृत्ति ठीक हो।

मिथुन राशि :- व्यवसाय में लाभ अच्छा मिले, किसी मांगलिक उत्सव में समलित हेंगे।

कर्क राशि :- सोचे हुए कार्यों में विघ्न उत्पन्न होगा तथा मन में अशांति पैदा होगी।

सिंह राशि :- धन का लाभ होगा, आनंद प्राप्त होगा, सुसमाचार, प्रयासों में सफलता मिले।

कन्या राशि :- धन लाभ तथा स्वास्थ्य में सुधार होगा, आगे बढ़ेंगे, ध्यान अवश्य ही रखें।

तुला राशि :- अधिक परिश्रम से लाभ मिलेगा, शत्रुदल कष्ट कारक होंगे, ध्यान दें।

वृश्चिक राशि :- दामपत्य जीवन के मधुर संबंध का आनंद मिलेगा तथा संतान सुख होगा।

धनु राशि :- विरोधियों से आप सतर्क रहें, मानसिक तनाव बन सकता है, समय का ध्यान रखें।

मकर राशि :- यात्रा तथा संतान की ओर से विपरीत ब्योहार मिलेगा, समय का ध्यान रखें।

कुंभ राशि :- मांगलिक उत्सव में उपस्थित होंगे, बुधवार-शुक्रवार को लाभ होगा।

मीन राशि :- स्थिति में कुछ सुधार होगा, सप्ताह में स्वास्थ्य कुछ ठीक हो तो कुछ खराबी होगी।

आज से 10 अक्टूबर तक रहेगा पितृ पक्ष, जानिए श्राद्ध में तर्पण करने की विधि और प्रमुख तिथियां

साल 2026 में पितृ पक्ष 26 सितंबर से शुरू होकर 10 अक्टूबर को सर्वपितृ अमावस्या के साथ समाप्त होगा। इस 15 दिवसीय अवधि में पितरों की आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध, तर्पण और पिंडदान जैसे अनुष्ठान किए जाते हैं। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, इन विधियों से पूर्वज प्रसन्न होकर परिवार को सुख, समृद्धि और शांति का आशीर्वाद देते हैं।



सनातन धर्म में पितृ पक्ष का विशेष महत्व माना जाता है। इस बार पितृ पक्ष की शुरूआत 26 सितंबर 2026 से हो रही है। हिंदू पंचांग के अनुसार, श्राद्ध पक्ष अश्विन माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि से शुरू होती है और ठीक 15 दिन के बाद अमावस्या तिथि पर समाप्त होते हैं।

धार्मिक मान्यताओं को अनुसार, पितृ पक्ष के समय पितरों की आत्माएं पृथ्वी पर किसी न किसी रुप में आती है। इसलिए इनके प्रति श्रद्धा, सेवा और समर्पण जाहिर करने के लिए तर्पण, श्राद्ध और पिंडदान जैसे धार्मिक अनुष्ठानों का पालन करना चाहिए। माना जाता है कि इन धार्मिक अनुष्ठानों से पूर्वजों की आत्मा तृप्त होती है और परिवार में सुख, समृद्धि और शांति का आशीर्वाद प्राप्त होता है।

साल 2026 में पितृ पक्ष कब शुरू हो रहा है?

हिंदू पंचांग के अनुसार, अश्विन माह भाद्रपद माह की पूर्णिमा के बाद शुरू होता है। इस साल 2026 में अश्विन कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि 26 सितंबर को रात 10 बजकर 18 मिनट पर शुरू हो रही है। श्राद्ध की अवधि 10 अक्तूबर 2026 सर्वपितृ अमावस्या के दिन समाप्त होगी।

पितृ पक्ष के दौरान श्राद्ध की प्रमुख तिथियां

26 सितंबर 2026 को पूर्णिमा श्राद्ध
27 सितंबर 2026 को प्रतिपदा श्राद्ध
28 सितंबर 2026 को द्वितीया श्राद्ध
29 सितंबर 2026 को तृतीया श्राद्ध
30 सितंबर 2026 को चतुर्थी और पंचमी श्राद्ध
1 अक्तूबर 2026 को षष्ठी श्राद्ध
2 अक्टूबर 2026 को सप्तमी श्राद्ध
3 अक्टूबर 2026 को अष्टमी श्राद्ध
4 अक्टूबर 2026 को नवमी श्राद्ध
5 अक्टूबर 2026 को दशमी श्राद्ध
6 अक्टूबर 2026 को एकादशी श्राद्ध
7 अक्टूबर 2026 को द्वादशी और माघ श्राद्ध
8 अक्टूबर 2026 को त्रयोदशी श्राद्ध
9 अक्टूबर 2026 को चतुर्दशी श्राद्ध
10 अक्टूबर 2026 को सर्वपितृ अमावस्या

पितृपक्ष का धार्मिक महत्व

धार्मिक ग्रंथों में बताया गया है कि पितृ पक्ष के दौरान किए जाने वाले श्राद्ध और तर्पण अनुष्ठानों से पूर्वज प्रसन्न होते हैं और अपने संतानों को खुश रहने के लिए आशीर्वाद देते हैं। धार्मिक मान्यता के अनुसार, इन अनुष्ठानों से दीघार्यु, धन, ज्ञान, संतान प्राप्ति का सुख और जीवन में समग्र समृद्धि प्राप्त होती है। इतना ही नहीं, व्यक्ति को मानसिक शांति और आध्यात्मिक संतुलन प्राप्त होता है।

श्राद्ध में तर्पण करने की विधि

- पितृ पक्ष केसमय रोजाना या पितरों की पुण्यतिथि पर तर्पण करना काफी शुभ माना जाता है।
- दोपहर के समय दक्षिणमुखी मुख करके जल अर्पित किया जाता है। तर्पण करते समय जल में काले तिल मिलाकर हाथें कुश घास धारण करके पूर्वजों को श्राद्धापूर्वक याद करें।
- अब भोजन, कपड़े और अन्य वस्तुओं का दान करना, इसके साथ ही तर्पण अनुष्ठान के बाद ब्राह्मणों को भोजन करना बेहद पुण्यकारी माना जाता है। इससे पूर्वजों का आशीर्वाद प्राप्त होता है। घर में हमेशा सुख-समृद्धि का वातावरण बना रहता

लव एंड वॉर से सामने आया रणबीर कपूर का दूसरा पोस्टर, इंटेंस लुक ने बढ़ाई हलचल



संजय लीला भंसाली फिल्म लव एंड वॉर के साथ साल की सबसे बड़ी फिल्म लेकर आने के लिए तैयार हैं। ऐसे में फिल्म के बारे में हर एक अपडेट्स को लेकर दर्शकों के बीच उत्सुकता बनी हुई है। फिल्म में बॉलीवुड के तीन बेहद टैलेंटेड और बड़े नाम रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल स्क्रीन शेयर करते नजर आने वाले हैं। दर्शकों की एक्साइटमेंट को बढ़ाते हुए जहां मेकर्स ने हाल ही में रणबीर कपूर का फर्स्ट लुक पोस्टर रिलीज किया था, ऐसे में अब फिल्म को लेकर बनी हुई दीवानगी को एक अलग लेवल पर लेकर जाते हुए मेकर्स ने एक्टर का दूसरा जबरदस्त पोस्टर भी रिलीज कर दिया है। पोस्टर में सुपरस्टार का इंटेंस और पहले कभी न देखा गया लुक बेहद शानदार लग रहा है। संजय लीला भंसाली की ह्यलव एंड वॉरह्न को लेकर उत्सुकता इसकी अनाउंसमेंट के समय से ही सातवें आसमान पर है। ऐसे में अब मेकर्स द्वारा जारी किए गए रणबीर कपूर के दूसरे पोस्टर में फिल्म की दिलचस्प दुनिया की झलक साझा की है। रणबीर पोस्टर में नीली कार में बैठे हुए नजर आ रहे हैं, वहीं उनके चेहरे पर नजर आ रही कमाल की इंटेंसिटी, उनके द्वारा निभाए जाने वाले किरदार के अनोखेपन को दर्शा रही है। रछ्ह जिन्हें अपनी फिल्मों की भव्यता और ग्रैंड स्केल पर बनाई जाने वाली दुनिया के लिए जाना जाता है, उन्होंने अपनी सीमाओं को पार करते हुए इस बार ऐसा लग रहा है जैसे खुद को भी पीछे छोड़ दिया है। पोस्टर संग सामने आया इत्रह्न, उनके कहानी कहने के ट्रेडमार्क स्टाइल के साथ खूबसूरती से जाता है। वहीं, फैंस के लिए इस शानदार पोस्टर के जरिए फिल्ममेकर ने कुछ ऐसा दिया है, जिसमें उन्हें हैरान कर दिया है। SLB द्वारा स्क्रीन पर रोमांस लाते देखना किसी ट्रीट से कम नहीं होता, ऐसे में दर्शक लव एंड वॉर के जरिए लंबे समय के बाद फिर से प्यार का जादू देखने के साथ महसूस करने वाले हैं। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि पोस्टर ने फिल्म की रिलीज के लिए एक्साइटमेंट को अलग लेवल पर पहुंचा दिया है। संजय लीला भंसाली की लव एंड वॉर में रणबीर कपूर, आलिया भट्ट और विक्की कौशल लीड रोल्स में हैं। यह 21 जनवरी 2027 को दुनिया भर में हिंदी, तमिल और तेलुगु में रिलीज होने के लिए तैयार है।



चार दिन में तीसरी बड़ी कार्रवाई, 42 पेटियों में 362 लीटर अवैध शराब जब्त

पुलिस को मिल रही शराब, आबकारी को नहीं मिली का पंचनामा!



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- जिले में अवैध शराब के खिलाफ पुलिस की लगातार कार्रवाई और आबकारी विभाग की कार्रवाई के बीच अब सवाल खड़े होने लगे हैं। कोतवाली पुलिस ने पिछले चार दिनों में तीसरी बड़ी कार्रवाई करते हुए 42 पेटियों में करीब 362 लीटर देशी-अंग्रेजी शराब जब्त की है। वहीं दूसरी ओर आबकारी विभाग की दबिश के बाद शराब नहीं मिली का पंचनामा बनाए जाने की चर्चा है। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि जब पुलिस को लगातार अवैध शराब मिल रही है, तो आबकारी विभाग की कार्रवाई में शराब क्यों नहीं मिल रही?

खंडहर मकान में छिपाकर रखी थी शराब

कोतवाली पुलिस के अनुसार 23 सितंबर की रात गश्त के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि गंज वार्ड में रेलवे लाइन किनारे स्थित एक खंडहर मकान में बिक्री के लिए बड़ी मात्रा में अवैध शराब छिपाकर रखी गई है। सूचना पर पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। पुलिस को देखकर मकान के बाहर मौजूद एक व्यक्ति भागने का प्रयास करने लगा, जिसे घेराबंदी कर पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपी की पहचान अमन राय पिता रविन्द्र राय, उम्र 26 वर्ष, निवासी मंगलीपेठ, सिवनी के रूप में हुई। पुलिस के अनुसार उक्त मकान अचल कुचबंदिया का है और पिछले 5-6 वर्षों से खंडहर पड़ा है। तलाशी लेने पर कमरे में खाकी काटूर्नों में रखी शराब की 42 पेटियां बरामद हुईं।

362 लीटर शराब, 1.71 लाख कीमत

पुलिस ने मौके से 33 पेटी देशी प्लेन शराब, 7 पेटी देशी मसाला शराब, एक कार्टून में 48 नग मैकडॉवेल नंबर-1 रम तथा एक कार्टून में 12 नग ओल्ड मोंक रम बरामद की। कुल शराब करीब 362 लीटर बताई गई है, जिसकी कीमत लगभग 1 लाख 71 हजार 280 रुपये है। पुलिस के अनुसार आरोपी से शराब रखने के संबंध में वैध लाइसेंस एवं दस्तावेज मांगे गए, लेकिन वह प्रस्तुत नहीं कर सका। पूछताछ में आरोपी ने अलग-अलग शराब दुकानों से शराब एकत्रित कर आगामी शराबबंदी अवधि एवं त्योहारों में ऊंचे दाम पर बेचने के उद्देश्य से रखने की बात बताई।

पुलिस की दबिश में बरामदगी, आबकारी की कार्रवाई पर सवाल

लगातार हो रही पुलिस कार्रवाई ने आबकारी विभाग की कार्यप्रणाली को लेकर चर्चा तेज कर दी है। एक तरफ कोतवाली पुलिस मुखबिर सूचना पर कार्रवाई कर बड़ी मात्रा में शराब बरामद कर रही है, वहीं दूसरी तरफ आबकारी विभाग की कार्रवाई में ह्यशराब नहीं मिलीह्न का पंचनामा बनाए जाने की बात सामने आ रही है। सवाल यह है कि शहर और आसपास के क्षेत्रों में यदि इतनी बड़ी मात्रा में अवैध शराब का भंडारण हो रहा है, तो आबकारी विभाग की निगरानी में यह सामने क्यों नहीं आ रहा? क्या विभाग की सूचना व्यवस्था और मैदानी निगरानी में कमी है, या पुलिस और आबकारी विभाग को मिलने वाली सूचनाओं में ही इतना अंतर है? इन सवालों का जवाब विभाग को देना होगा।

शराब के स्त्रोत की जांच

पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धारा 34(2) आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे गिरफ्तार किया है। न्यायालय में पेश करने के बाद आरोपी को एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया गया है। पुलिस अब शराब के स्त्रोत और इस कारोबार में जुड़े अन्य संभावित लोगों के संबंध में पूछताछ कर रही है। पुलिस के अनुसार आरोपी के खिलाफ पूर्व में आबकारी अधिनियम के दो और जुआ अधिनियम के तीन सहित कुल सात आपराधिक प्रकरण दर्ज हैं।

चार दिन में तीसरी बड़ी कार्रवाई

कोतवाली पुलिस की लगातार कार्रवाई से यह भी स्पष्ट हो रहा है कि क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ पुलिस ने अभियान तेज किया है। अब देखने वाली बात यह होगी कि आबकारी विभाग भी इसी तरह प्रभावी कार्रवाई कर अवैध शराब के स्त्रोत और कारोबार से जुड़े लोगों तक पहुंचता है या नहीं।

कार्रवाई में इनकी रही भूमिका

कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक सतीश तिवारी, उपनिरीक्षक जयशंकर उइके, सहायक उपनिरीक्षक जसवंत ठाकुर, प्रधान आरक्षक मनोज पाल, मनोज मरावी, सुधीर डहेरिया, प्रदीप चौधरी, विसराम धुर्वे, आरक्षक चेतन शर्मा, पारस तुरकर, सीताराम जावरे, प्रतीक बघेल, महिला प्रधान आरक्षक निशा वर्मा एवं महिला आरक्षक ममता गजभिये की सराहनीय भूमिका रही।

जिला आयुष कार्यालय के आयोजन पर प्रोटोकॉल की

अनदेखी के आरोप, प्रभारी हूं वाले जवाब पर भी सवाल

कलेक्टर-विधायक को बिना बुलाए राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस संपन्न



दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- जिला आयुष कार्यालय द्वारा राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को लेकर विभाग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठ रहे हैं। जिला मुख्यालय के कार्यक्रम में कलेक्टर, विधायक सहित प्रमुख जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित नहीं किया गया। स्थानीय स्तर पर इसे जनप्रतिनिधियों के सम्मान से जोड़कर देखा जा रहा है। खास बात यह भी है कि कार्यक्रम की जानकारी मीडिया को भी नहीं दी गई। ऐसे में सवाल उठ रहा है कि आखिर आयोजन को सार्वजनिक रूप से सामने लाने से क्यों बचा गया? कहीं कार्यक्रम को सीमित रखने के पीछे इसे सार्वजनिक होने से रोकने की मंशा तो नहीं थी?

चंद लोगों तक सीमित रहा आयोजन

बताया जा रहा है कि कार्यक्रम का व्यापक प्रचार-प्रसार नहीं किया गया और सीमित लोगों की मौजूदगी में औपचारिकता पूरी की गई। वहीं कुछ निजी चिकित्सकों की मौजूदगी को लेकर भी चचाएं हैं। सवाल यह है कि राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस जैसे आयोजन को जिला स्तर पर व्यापक रूप देने के बजाय सीमित दायरे में क्यों रखा गया। जब शासन स्तर पर आयुर्वेद को जन-जन तक पहुंचाने के लिए आयोजन किए जा रहे हैं, तब जिला मुख्यालय का कार्यक्रम ही सीमित क्यों रहा, यह सवाल भी चर्चा में है।

प्रोटोकॉल पर उठे सवाल

शासकीय आयोजनों में नियमानुसार संबंधित जनप्रतिनिधियों और वरिष्ठ अधिकारियों को आमंत्रित किए जाने की परंपरा है। ऐसे में कलेक्टर, विधायक, सांसद और जिला पंचायत अध्यक्ष जैसे जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित नहीं किए जाने को लेकर प्रोटोकॉल की अनदेखी के सवाल उठ रहे हैं। प्रदेश के अन्य जिलों में जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की सहभागिता की जानकारी भी सामने आई है।

ह्यप्रभारी हूंह्न जवाब पर सवाल

जिला आयुष अधिकारी विजय चोखे से चर्चा करने पर उन्होंने स्वयं को नया प्रभारी बताते हुए पूरा चार्ज नहीं होने की बात कही। लेकिन सवाल यह है कि यदि कार्यक्रम आयोजित कराने की जिम्मेदारी उनके पास नहीं थी तो विभागीय स्तर पर इसकी जिम्मेदारी किस अधिकारी की थी? वहीं अन्य प्रशासनिक एवं विभागीय कार्यों में उनकी भूमिका को देखते हुए यह सवाल भी उठ रहा है कि राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के आयोजन के समय ही अधिकारों की कमी क्यों सामने आई। अब विभाग से यह स्पष्ट किया जाना जरूरी है कि कलेक्टर और विधायक सहित अन्य जनप्रतिनिधियों को आमंत्रित क्यों नहीं किया गया, मीडिया को कार्यक्रम की सूचना क्यों नहीं दी गई और आयोजन को सीमित दायरे में रखने का निर्णय किस स्तर पर लिया गया। इन सवालों के जवाब सामने आने के बाद ही पूरे मामले की तस्वीर स्पष्ट हो सकेगी।

सिवनी डिपो में गुणवत्ता जांच कड़ी, डुंगरिया वेयरहाउस में दर्जनभर से अधिक लॉट रिजेक्ट

घटिया चावल मामले में FCI सख्त, राइस मिलरों में मचा हड़कंप

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- भारतीय खाद्य निगम (FCI के सिवनी डिपो में कस्टम मिलिंग राइस (उटफ) जमा करने की प्रक्रिया में गुणवत्ता को लेकर अब सख्ती बढ़ा दी गई है। गुणवत्ताहीन अथवा निर्धारित मानकों पर खरे नहीं उतरने वाले चावल के लॉट स्वीकार नहीं किए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार डुंगरिया वेयरहाउस में दर्जनभर से अधिक लॉट गुणवत्ता जांच में रिजेक्ट किए जा चुके हैं। कार्रवाई के बाद राइस मिलरों में हड़कंप की स्थिति बनी हुई है। बताया जाता है कि कुछ दिन पूर्व तोमर वेयरहाउस सेलुआ में एक स्टैक को इफ्छ घोषित किए जाने के बाद विभागीय स्तर पर उटफकी गुणवत्ता जांच को लेकर विशेष सतर्कता बरती जा रही है। ऋछक द्वारा निर्धारित गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पाए जाने वाले चावल के लॉट ही स्वीकार किए जा रहे हैं।

20 से अधिक लॉट की गाड़ियां लौटने की चर्चा

डुंगरिया स्थित अनमोल वेयरहाउस में उटफ जमा करने पहुंचे कई मिलरों में रिजेक्शन को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। मिलरों का कहना है कि बड़ी मात्रा में चावल तैयार कर वेयरहाउस तक पहुंचाया गया है, लेकिन लॉट रिजेक्ट होने की आशंका के चलते कुछ वाहन वापस ले जाए जा रहे हैं। बताया जा रहा है कि 20 से अधिक लॉट की गाड़ियां वापस ले जाने की स्थिति बनी।



FRK को लेकर उठे सवाल

मामले में मिलरों द्वारा यह सवाल भी उठाया जा रहा है कि नॉन-एफआरके राइस में यदि FRK (Fortified Rice Ker»»fel) के दाने पाए जाते हैं तो क्या इसके आधार पर पूरा लॉट रिजेक्ट किया जा सकता है। इसी संबंध में मिलरों द्वारा ऋछक की संबंधित गाइडलाइन अथवा आधिकारिक सर्कुलर की प्रति मांगे जाने की बात सामने आई है। मिलरों के अनुसार, इस संबंध में जब ऋछक की अऋ्ट प्रतीक्षा मिश्रा से संपर्क किया गया तो उन्हें दिल्ली स्थित उच्च कार्यालय से इस विषय में चर्चा करने की बात कही गई। हालांकि, मिलरों का कहना है कि उन्हें संबंधित लिखित गाइडलाइन की प्रति उपलब्ध नहीं कराई गई।

गुणवत्ता निरीक्षण में निर्धारित स्पेसिफिकेशन का हवाला

अनमोल वेयरहाउस के क्वालिटी इंस्पेक्टर/तकनीकी सहायक शुभम श्रीवास्तव ने बताया कि CMR का चावल भारतीय खाद्य निगम मुख्यालय नई दिल्ली एवं उच्च कार्यालय द्वारा निर्धारित स्पेसिफिकेशन के आधार पर स्वीकार किया जा रहा है। जो लॉट निर्धारित मानकों के अनुरूप नहीं पाए जाते हैं, उन्हें रिजेक्ट किया जाता है। हालांकि, नॉन-एफआरके चावल में FRK के दाने पाए जाने की स्थिति में लॉट रिजेक्ट किए जाने से संबंधित लिखित गाइडलाइन या सर्कुलर की प्रति मांगे जाने पर मौके पर ऐसी प्रति उपलब्ध नहीं कराई जा सकी।

आर्थिक नुकसान की चिंता

FCI की सख्ती के बाद राइस मिलरों को अपने तैयार स्टॉक के रिजेक्शन और उससे होने वाले आर्थिक नुकसान की चिंता सताने लगी है। मिलरों का कहना है कि उन्होंने बड़ी मात्रा में चावल तैयार कर रखा है। यदि गुणवत्ता मानकों को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं हुई और लॉट रिजेक्शन जारी रहा तो उन्हें आर्थिक नुकसान उठाना पड़ सकता है। मिलरों की मांग है कि ऋछक एवं संबंधित विभाग इस पूरे मामले में लागू गुणवत्ता मानकों और ऋछ्ड से जुड़े प्रावधानों को स्पष्ट रूप से सामने रखें, ताकि गुणवत्ता को लेकर भ्रम की स्थिति समाप्त हो और नियमानुसार उटफ जमा करने की प्रक्रिया सुचारू रूप से चल सके।

छोटे कारोबार के लिए मिली पूंजी, समय पर किश्त चुकाई तो बढ़ता गया ऋण का दायरा

ठेले से कारोबार तक... पीएम स्वनिधि ने विशाल को दिया आगे बढ़ने का हौसला

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- छोटे कारोबार की शुरूआत अक्सर सीमित पूंजी से होती है, लेकिन मेहनत करने वाले व्यक्ति के लिए यही छोटा काम आगे चलकर परिवार की आय का मजबूत जरिया बन सकता है। सिवनी के महामाया वार्ड निवासी विशाल निखारे की कहानी भी कुछ ऐसी ही है। पीएम स्वनिधि योजना से मिली चरणबद्ध ऋण सहायता ने उनके छोटे कारोबार को संभालने और आगे बढ़ाने में मदद की। विशाल के सामने कारोबार बढ़ाने में सबसे बड़ी चुनौती पूंजी की थी। रोजमर्रा की जरूरतों के बीच कारोबार में अतिरिक्त पैसा लगाना आसान नहीं था। ऐसे समय में पीएम स्वनिधि योजना के माध्यम से उन्हें ऋण सुविधा मिली। इस राशि का उपयोग उन्होंने कारोबार में जरूरी सामान और संसाधन जुटाने में किया।

समय पर भुगतान से बढ़ता गया भरोसा

विशाल ने प्राप्त ऋण की किश्तों का समय पर भुगतान किया। इसके बाद योजना के अगले चरण में उन्हें अधिक ऋण सुविधा प्राप्त हुई। इस प्रक्रिया ने उन्हें केवल आर्थिक मदद ही नहीं दी, बल्कि कारोबार को धीरे-धीरे मजबूत करने का अवसर भी दिया।

परिवार की जरूरतों में बना सहारा- कारोबार से होने वाली आय अब विशाल के परिवार की दैनिक जरूरतों को पूरा करने में भी मददगार है। उनका कहना है कि छोटे व्यापारी के लिए सबसे जरूरी चीज कारोबार में पैसा लगाने का अवसर होता है। समय पर मिलने वाली ऋण सहायता से व्यापार को संभालना आसान होता है और आगे बढ़ने का आत्मविश्वास भी मिलता है। विशाल का कहना है कि पीएम स्वनिधि योजना से मिली सहायता ने उन्हें अपने कारोबार को आगे बढ़ाने का अवसर दिया है। अब उनका प्रयास है कि कारोबार को और व्यवस्थित करते हुए भविष्य में इसे बड़े स्तर तक ले जाएं। छोटे व्यवसाय से शुरू हुआ उनका यह सफर अब आत्मनिर्भरता की दिशा में आगे बढ़ता कदम बन रहा है।

1500 से अधिक प्रतिभागियों ने लिया हिस्सा, नमामि भारतम् के तहत हुआ राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत आयोजन

एक समय, एक लय, एक स्वर में गूंजा वन्दे मातरम्

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी- विद्याभारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान, दिल्ली के आह्वान पर ह्यनमामि भारतम्ह्न कार्यक्रम के अंतर्गत वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के अवसर पर शुक्रवार को देशभर के सरस्वती शिशु मंदिरों में एक समय, एक लय और एक स्वर में सामूहिक वन्दे मातरम् गायन का आयोजन किया गया। इसी कड़ी में सरस्वती शिशु/उच्चतर माध्यमिक विद्यालय भैरोगंज सिवनी में भी भव्य सामूहिक गायन कार्यक्रम आयोजित हुआ, जिसमें 1500 से अधिक विद्यार्थियों, अभिभावकों, समिति पदाधिकारियों, अधिकारियों एवं नागरिकों ने सहभागिता की। प्रातः ठीक 11 बजे विद्यालय के विशाल प्रांगण में सामूहिक वन्दे मातरम् गायन प्रारंभ हुआ। अनुशासित एवं गरिमामय वातावरण में एक साथ राष्ट्रगीत का गायन किया गया। आयोजन में अध्यक्ष एवं पर्यवेक्षक के रूप में डॉ. ओमप्रकाश सरवैया, प्राचार्य शासकीय कन्या महाविद्यालय सिवनी उपस्थित रहे। मुख्य अतिथि एवं प्रथम साक्षी के रूप में जिला चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पंकज दुबे उपस्थित रहे। संगीत विशेषज्ञ एवं साक्षी के रूप में शिक्षक श्री नेत्रपाल दुबे उपस्थित रहे।

गणमान्य नागरिकों की रही सहभागिता

कार्यक्रम में आभा सिंह, प्राचार्य पीएमश्री शासकीय कन्या विद्यालय सिवनी, विकेश बिसेन बीडीओ तथा सिवनी पोस्टमास्टर आर.एन. उपाध्याय सहित विद्याभारती महाकोशल प्रांत के सहसचिव नितिन चौधरी, डॉ. आशुतोष गौर, विनीत अग्रवाल, गजानंद पंचेश्वर, कृष्णा साहू, डॉ. दिनेश शर्मा, मनोज मर्दन त्रिवेदी, नेतराम चौरसिया, रामसिंह सनोडिया, ईशान सिंह, पी.पी. पाण्डे, डॉ. टी.आर. सनोडिया, कमलेश टेंभरे, सोनू अग्रवाल, संतोष सूर्यवंशी, गोपाल चौरसिया, पार्थ ठाकरे सहित बड़ी संख्या में गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। **आयोजन को सफल बनाने में आचार्य परिवार की भूमिका-** कार्यक्रम को सफल बनाने में विद्यालय संयोजक कृष्णमुरारी दुबे, प्राथमिक विभाग संयोजक शिवांशु गठोरिया, सहसंयोजक कीर्ति ठाकुर एवं मनीषा तिवारी, समन्वयकर्ता प्रकाश गुप्ता सहित समस्त आचार्य परिवार ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। वन्दे मातरम् गायन के उपरांत मंचासीन अतिथियों का परिचय एवं स्वागत विद्यालय प्राचार्य ओमप्रकाश यादव ने किया। कार्यक्रम का संचालन सांस्कृतिक प्रभारी कीर्ति ठाकुर ने किया। अंत में विद्यालय मीडिया प्रभारी नरेंद्र चौरसिया ने आयोजन में सहयोग प्रदान करने वाले सभी अतिथियों, अभिभावकों, विद्यार्थियों एवं नागरिकों के प्रति आभार व्यक्त किया।



सरस्वती शिशु मंदिर कान्हीवाड़ा में सामूहिक वन्दे मातरम् गायन

ह्यनमामि भारतम्ह्न कार्यक्रम में

विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक लिया हिस्सा

दैनिक रेवांचल टाइम्स सिवनी - कान्हीवाड़ा विद्या भारती अखिल भारतीय शिक्षा संस्थान के तत्वावधान में वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में शुक्रवार को ह्यनमामि भारतम्ह्न सामूहिक वन्दे मातरम् गायन कार्यक्रम का आयोजन सरस्वती शिशु मंदिर कान्हीवाड़ा विद्यालय परिसर में किया गया।कार्यक्रम में सरस्वती शिशु मंदिर संचालन प्रबंध समिति के अध्यक्ष सुंदर लाल साहू, सह सचिव देवेंद्र ठाकुर एवं संस्था के प्रधानाचार्य सुरेंद्र कुमार झारिया सहित विद्यालय के आचार्य, दीदी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे। इस दौरान विद्यार्थियों एवं उपस्थितजनों ने सामूहिक रूप से वन्दे मातरम् का गायन कर राष्ट्रभक्ति एवं देशप्रेम की भावना को अभिव्यक्त किया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधन समिति के सह सचिव देवेंद्र ठाकुर ने ह्यनमामि भारतम्ह्न एवं वन्दे मातरम् के 150 वर्ष पूर्ण होने के महत्व पर विद्यालय परिवार के समक्ष अपने विचार व्यक्त किए। उन्होंने वन्दे मातरम् के ऐतिहासिक महत्व एवं स्वतंत्रता आंदोलन में इसके योगदान को रेखांकित करते हुए विद्यार्थियों से राष्ट्र के प्रति समर्पण, एकता और जिम्मेदारी की भावना को मजबूत करने का आह्वान किया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में राष्ट्रभक्ति, भारतीय संस्कृति एवं राष्ट्रीय गौरव की भावना को जागृत करना रहा। सामूहिक वन्दे मातरम् गायन के साथ कार्यक्रम उत्साह एवं राष्ट्रभक्ति के वातावरण में संपन्न हुआ।



सीएम ने जेट के बाद 225 करोड़ में खरीदा हेलिकॉप्टर

9 यात्री बैठ सकेंगे; पायलटों की कनाडा में ट्रेनिंग, हर 50 किमी पर बनेंगे हेलिपैड

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने करीब 225 करोड़ रुपए का एयरबस अउल्160 हेलिकॉप्टर खरीदा है। वहीं, करीब 350 करोड़ रुपए का बॉम्बार्डियर चैलेंजर-3500 जेट बेड़े में शामिल होने वाला है। जेट की डिलीवरी सितंबर के आखिरी तक हो सकती है। नए हेलिकॉप्टर और जेट का प्रदेशभर में इस्तेमाल हो सके, इसके लिए सरकार हेलिपैड और हवाई पट्टियां विकसित करेगी। सरकार अपने हवाई बेड़े को हाइटेक बनाने के साथ एयर कनेक्टिविटी बढ़ाने की तैयारी कर रही है।

हर 50 किलोमीटर पर हेलिपैड बनाने की तैयारी : प्रदेश में अभी करीब 250 हेलिपैड बताए जाते हैं। सरकार अगले दो साल में करीब 63 नए हेलिपैड बनाने का लक्ष्य लेकर चल रही है। इनका नेटवर्क हर 50 किलोमीटर के दायरे में बनाने की योजना है। इससे मुख्यमंत्री और अन्य वीआईपी के लिए जिलों तक पहुंचना आसान हो सकता है। अभी कई दौरों में पहले विमान से एयरपोर्ट पहुंचना पड़ता है, फिर वहां से हेलिकॉप्टर या सड़क के रास्ते आगे जाना होता है। पर्याप्त हेलिपैड बनने के बाद संबंधित क्षेत्र के नजदीक हेलिकॉप्टर से सीधे पहुंचने का विकल्प मिलेगा। मध्यप्रदेश सरकार फ्रांस की एयरबस से अउल्160 हेलिकॉप्टर खरीद रही है। टैक्स और शुल्क समेत इसकी कीमत करीब 225 करोड़ रुपए बताई गई है। इसकी डिलीवरी नवंबर में प्रस्तावित है। सरकार के लिए तैयार हेलिकॉप्टर में दो पायलट समेत 9 लोग बैठ सकेंगे। एयरबस के आधिकारिक दस्तावेज के मुताबिक अउल्160 को अधिकतम 10 यात्रियों की क्षमता के साथ तैयार किया जा सकता है। इसकी अधिकतम उड़ान अवधि 4 घंटे 30 मिनट और क्रूज स्पीड 155 नॉट है। हेलिकॉप्टर में आधुनिक तकनीक और कैमरों की सुविधा भी रहेगी।



MP के पायलटों ने कनाडा में ली ट्रेनिंग : नए जेट के संचालन की तैयारी भी शुरू हो चुकी है। मध्यप्रदेश के पायलट विश्वास राय और अरविंद सिंह जुलाई में कनाडा गए थे। दोनों ने बॉम्बार्डियर के प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिस्सा लिया है। सरकार नए हेलिकॉप्टर और जेट को बेड़े में शामिल करने के साथ उनके इस्तेमाल के लिए एयर कनेक्टिविटी का ढांचा भी तैयार कर रही है। एक तरफ 63 नए हेलिपैड बनाने की योजना है, वहीं दूसरी तरफ करीब 20 हवाई पट्टियों के विस्तार की तैयारी है।

नए जेट के लिए कम से कम 1800 मीटर रनवे चाहिए : सरकार के सामने नए बॉम्बार्डियर चैलेंजर-3500 जेट को ज्यादा से ज्यादा एयरफील्ड पर उतारने की चुनौती है। यह मिड-साइज जेट है। इसके लिए कम से कम करीब 1800 मीटर और बेहतर संचालन के लिए करीब 2100 मीटर लंबे रनवे की जरूरत है। विभागीय आकलन के मुताबिक प्रदेश के 28 एयरफील्ड में से करीब 10 जगहों पर यह जेट अभी उतर सकता है। इनमें 7 एयरपोर्ट और 3 हवाई पट्टियां शामिल हैं।

सिर्फ 3 हवाई पट्टियों पर 1800 मीटर से लंबा रनवे : प्रदेश की करीब 20 हवाई पट्टियों में फिलहाल सिर्फ तीन ऐसी हैं, जहां रनवे की लंबाई 1800 मीटर या उससे ज्यादा है। इनमें मंदसौर की नौलखा बीड, सिवनी और मंडला की कान्हा हवाई पट्टी शामिल हैं। सतना में एयरपोर्ट बन चुका है, लेकिन यहां रनवे करीब 1300 मीटर लंबा है। इसलिए नया चैलेंजर-3500 यहां नहीं उतर पाएगा। एयरपोर्ट बन जाना ही काफी नहीं है। इस जेट के लिए रनवे की लंबाई और दूसरी जरूरी सुविधाएं भी बढ़ानी होंगी।

वीआईपी यात्राओं के लिए किया जाएगा इस्तेमाल : करीब 350 करोड़ रुपए का बॉम्बार्डियर चैलेंजर-3500 जेट सरकार के लिए तैयार कराया जा रहा है। इसमें 9 यात्री और 2 पायलट बैठ सकेंगे। इसका इस्तेमाल मुख्यमंत्री और अन्य वीआईपी यात्राओं के लिए किया जाएगा। विमान का इंटीरियर मध्यप्रदेश सरकार की जरूरत के हिसाब से तैयार कराया गया है। इसकी अधिकतम रेंज करीब 3500 समुद्री मील और क्रूज स्पीड करीब 870 किलोमीटर प्रति घंटा बताई गई है। विभागीय जानकारी के मुताबिक इसकी फ्यूल क्षमता लंबी दूरी की उड़ान के लिए पर्याप्त है, जिससे बीच में ईंधन भरने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

20 हवाई पट्टियों के विस्तार पर 300 से 400 करोड़ खर्च : विमानन विभाग ने हवाई पट्टियों वाले जिलों के कलेक्टरों को पत्र भेजकर विस्तार के लिए जमीन उपलब्ध होने की जानकारी मांगी है। एक हवाई पट्टी के विस्तार में औसतन 10 से 15 करोड़ रुपए खर्च हो सकते हैं। विभाग के अनुमान के मुताबिक, अगर निजी जमीन लेनी पड़ी तो खर्च करीब 30 से 40 करोड़ रुपए तक पहुंच सकता है। रनवे बढ़ाने के साथ जमीन, एप्रोच रोड, सुरक्षा क्षेत्र और दूसरी जरूरी विमानन सुविधाओं पर काम करना होगा। करीब 20 हवाई पट्टियों के विस्तार पर 300 से 400 करोड़ रुपए तक खर्च का अनुमान है।

हर साल बचेंगे 60-70 करोड़ रुपए : ढाई साल में मोहन सरकार को विमान और हेलिकॉप्टर किराए पर औसतन 60-70 करोड़ रुपए सालाना खर्च करने पड़े। नया जेट और हेलिकॉप्टर आने के बाद यह किराया बचेगा।

सरकार के पास 13 साल पुराना हेलिकॉप्टर : मप्र सरकार का मौजूदा एयरबस एउ155 इ1 हेलिकॉप्टर 2011 में खरीदा गया था। करीब 13 साल पुराने इस हेलिकॉप्टर के बढ़ते मेंटेनेंस खर्च के चलते सरकार अब बेड़ा अपग्रेड कर रही है।

अवैध प्लाटिंग पर निगम का शिकंजा

छिंदवाड़ा। छिंदवाड़ा शहर और आसपास के इलाकों में हो रही अवैध प्लाटिंग को लेकर प्रशासन ने कार्रवाई तेज कर दी है। कलेक्टर हरेंद्र नारायण लगातार बैठकों में अधिकारियों को बिना अनुमति प्लाटिंग और नियम विरुद्ध जमीन के विक्रय पर कार्रवाई के निर्देश दे रहे हैं। इसी के तहत नगर निगम आयुक्त सीपी राय के नेतृत्व में निगम की टीम कार्रवाई कर रही है। इसी क्रम में नगर निगम ने खजरी निवासी महेश कुमार माधवानी को अनधिकृत कॉलोनी निर्माण के मामले में सूचना पत्र जारी किया है।

महेश माधवानी को नोटिस, 15 दिन में जवाब मांगा, कलेक्टर की सख्ती के बाद निगम की कार्रवाई

निगम के अनुसार, मौजा खजरी स्थित खसरा नंबर 317/1/1/2/1/1 की भूमि पर बिना अनुमति कॉलोनी विकसित करने और जमीन को भूखंडों में बांटकर अन्य लोगों को बेचने या हस्तांतरित करने की जानकारी सामने आई है।

भूखंडों की बिक्री और हस्तांतरण रोकने के निर्देश : नगर निगम ने संबंधित व्यक्ति को अनधिकृत कॉलोनी का निर्माण और भूखंडों की बिक्री या हस्तांतरण तत्काल रोकने के निर्देश दिए हैं। साथ ही 15 दिन के भीतर कारण बताओ नोटिस का जवाब देने को कहा गया है। निगम ने पूछा है कि संबंधित व्यक्ति के खिलाफ नियमों के तहत दंडात्मक कार्रवाई क्यों न की जाए। निर्धारित समय में जवाब नहीं मिलने या जवाब संतोषजनक नहीं पाए जाने पर आगे की कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। **नोटिस में 3 से 7 साल की सजा, 10 लाख तक जुमार्ने का उल्लेख :** नगर निगम के नोटिस में मध्यप्रदेश नगरपालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 292-ग का हवाला दिया गया है। इसमें अनधिकृत कॉलोनी निर्माण को दंडनीय और संज्ञेय अपराध बताया गया है। निगम के पत्र के अनुसार, इसके लिए 3 से 7 साल तक के कारावास और 10 लाख रुपए तक के जुमार्ने का प्रावधान है। नगर निगम आयुक्त सीपी राय ने बताया कि बिना अनुमति प्लाटिंग करने वालों और नियम विरुद्ध जमीन बेचने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है। संबंधित लोगों को नोटिस देकर अपना पक्ष रखने का मौका दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि तय समय में संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। निगम ने भी नोटिस में स्पष्ट किया है कि समयसीमा में जवाब नहीं मिलने या समाधानकारक उत्तर प्राप्त नहीं होने पर आगामी कार्रवाई की जाएगी।



रायसेन में पितृपक्ष से पहले मिश्र तालाब-घाटों की सफाई शुरू

रायसेन। रायसेन में पितृपक्ष शुरू होने से एक दिन पहले शुक्रवार सुबह नगर पालिका ने शहर के प्राचीन मिश्र तालाब की सफाई का अभियान शुरू किया। पितृपक्ष के दौरान बड़ी संख्या में लोग तर्पण और अन्य धार्मिक अनुष्ठान के लिए मिश्र तालाब के घाटों पर पहुंचते हैं। इसी को देखते हुए नगर पालिका ने तालाब के साथ घाटों की भी सफाई कराई। सफाई अभियान में विधायक प्रतिनिधि और पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष जमुना सेन ने श्रमदान किया। वार्ड क्रमांक 9 के पार्षद प्रतिनिधि राहुल परमार भी इस अभियान में शामिल हुए। नगर पालिका के कर्मचारियों ने तालाब से जलकुंभी और अन्य कचरा निकालकर कचरा वाहनों से घाटों से हटाया। इससे पहले जिला विकास समिति के सदस्यों ने भी मिश्र तालाब में सफाई अभियान चलाया था और कचरा निकाला था। उस दौरान निकाला गया कचरा घाटों पर जमा हो गया था। अब नगर पालिका तालाब की सफाई के साथ घाटों पर जमा कचरे को भी उठा रही है। बता दें कि नगर पालिका ने पहले मिश्र तालाब की सफाई का ठेका दिया था, लेकिन कुछ समय बाद सफाई का काम धीमा पड़ गया था। इसके बाद शहर के लोगों और ने भी सफाई अभियान में हिस्सा लेते हुए श्रमदान किया था।

जिला पंचायत भवन की छत का प्लास्टर गिरा

रायसेन। रायसेन जिला पंचायत भवन में गुरुवार सुबह एक बड़ा हादसा टल गया। यहां जिला पंचायत अध्यक्ष यशवंत मीणा के चेंबर की छत का प्लास्टर गिर गया। गनीमत यह रही कि यह घटना रात के समय हुई, जब चेंबर में कोई मौजूद नहीं था। सुबह जब कर्मचारियों ने चेंबर खोला, तो अध्यक्ष की कुर्सी के आसपास और कमरे के बड़े हिस्से में प्लास्टर की कंक्रीट बिखरी मिली। कर्मचारियों ने तुरंत इसकी सूचना वरिष्ठ अधिकारियों को दी। इस चेंबर में दिनभर जिला पंचायत अध्यक्ष, अधिकारी-कर्मचारी और अपनी समस्याएं लेकर आने वाले ग्रामीणों की आवाजाही बनी रहती है। **जर्जर हो चुका है भवन, लगातार गिर रहा प्लास्टर :** जिला पंचायत भवन काफी पुराना हो चुका है और इसके कई हिस्सों की हालत बेहद जर्जर है। भवन में जगह-जगह से प्लास्टर गिरने की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं, जिससे वहां काम करने वाले कर्मचारियों और अधिकारियों की सुरक्षा पर गंभीर खतरा मंडरा रहा है। कर्मचारियों का कहना है कि भवन की मौजूदा स्थिति को देखते हुए तुरंत ठोस कदम उठाने की जरूरत है। अगर दिन के समय ऐसा हादसा होता, तो कर्मचारी या दफ्तर आए लोग गंभीर रूप से घायल हो सकते थे। समय रहते भवन की तकनीकी जांच कराकर मरम्मत कराने या दफ्तर को किसी सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने की मांग की जा रही है।

आरएसएस की अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल की बैठक इंदौर में

3 से 5 अक्टूबर तक 46 प्रांतों के पदाधिकारी जुटेंगे, मोहन भागवत, होसबाले भी आएंगे

भोपाल। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की वार्षिक अखिल भारतीय कार्यकारी मंडल बैठक इस बार मध्य प्रदेश के इंदौर में होगी। तीन दिवसीय बैठक 3 से 5 अक्टूबर तक चलेगी। संघ की इस बैठक को ह्यदीवाली बैठकह्ल भी कहा जाता है। इसमें देशभर के सभी 46 प्रांतों के पदाधिकारियों के शामिल होने की संभावना है। बैठक ऐसे समय हो रही है, जब फरर अपने शताब्दी वर्ष के अंतिम चरण में है। संघ ने अक्टूबर 2025 में स्थापना के 100 वर्ष पूरे किए थे और शताब्दी वर्ष के कार्यक्रम 20 अक्टूबर 2026, विजयादशमी तक चलने हैं। ऐसे में इंदौर की बैठक को शताब्दी वर्ष के दौरान होने वाली आखिरी बड़ी संगठनात्मक बैठकों में से एक माना जा रहा है।

शताब्दी वर्ष के फैसलों और गतिविधियों की समीक्षा : बैठक में संघ की ओर से चलाए जा रहे विभिन्न अभियानों और गतिविधियों की समीक्षा की जाएगी। इसके साथ ही शताब्दी वर्ष के दौरान लिए गए निर्णयों को जमीन पर लागू करने की स्थिति पर भी चर्चा होगी। देशभर से आए पदाधिकारी अपने-अपने क्षेत्रों में चल रही संगठनात्मक गतिविधियों की जानकारी साझा



करेंगे और आगे की कार्ययोजना पर मंथन करेंगे।

संगठन के ढांचे में बदलाव पर भी चर्चा : इंदौर की बैठक संगठनात्मक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। सूत्रों के मुताबिक संघ के मौजूदा संगठनात्मक ढांचे में प्रस्तावित बदलावों को बैठक के बाद लागू करने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। प्रस्तावित बदलाव में ह्यप्रांत प्रचारकह्ल व्यवस्था की जगह ह्यसंभाग प्रचारकह्ल व्यवस्था लाने की बात सामने आई है। हालांकि, इसके अंतिम स्वरूप और क्रियान्वयन को लेकर बैठक में चर्चा के बाद स्थिति स्पष्ट होगी।

बेलगावी बैठक के बाद इंदौर में अगला बड़ा मंथन : इससे पहले जुलाई में कर्नाटक के बेलगावी में फरर की अखिल भारतीय प्रांत प्रचारक बैठक हुई थी। इसमें संगठनात्मक गतिविधियों, शाखाओं के विस्तार और शताब्दी वर्ष से जुड़े कार्यक्रमों की समीक्षा की गई थी। इंदौर की बैठक को इसी संगठनात्मक प्रक्रिया की अगली महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में देखा जा रहा है।

46 प्रांतों से पदाधिकारी आएंगे : बैठक में संघ के सभी 46 प्रांतों का प्रतिनिधित्व रहेगा। देशभर से सैकड़ों संघ पदाधिकारी और स्वयंसेवक इंदौर पहुंचेंगे

शताब्दी वर्ष की अंतिम बड़ी संगठनात्मक बैठक : आरएसएस ने अक्टूबर 2025 में 100 वर्ष पूरे किए थे। शताब्दी वर्ष के कार्यक्रम 20 अक्टूबर 2026 विजयादशमी तक चलेंगे। ऐसे में 3-5 अक्टूबर की इंदौर बैठक शताब्दी वर्ष की समाप्ति से ठीक पहले होने वाली प्रमुख संगठनात्मक बैठक है।

संगठन के ढांचे में बड़े बदलाव की चर्चा : रिपोर्टों के मुताबिक बैठक के बाद संघ के संगठनात्मक ढांचे में प्रस्तावित बदलाव लागू करने की प्रक्रिया शुरू हो सकती है। इसमें मौजूदा प्रांत प्रचारक व्यवस्था की जगह संभाग प्रचारक व्यवस्था लाने का प्रस्ताव बताया गया है।

मध्यप्रदेश सरकार ने विगत एक वर्ष में उपलब्ध कराये है 85 हजार युवाओं को रोजगार और सेवा के अवसर : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने खनि निरीक्षकों को दिए नियुक्ति पत्र

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि मध्यप्रदेश खनिज के क्षेत्र में अग्रणी राज्य है। प्रदेश की धरती से हीरा भी निकलता है। कोयले के मामले में भी प्रदेश समृद्ध हैं। खनिज महत्वपूर्ण विभाग है जिसमें पारदर्शिता और दक्षता के साथ कार्य करने वाले प्रदेश की आर्थिक समृद्धि में भी सहायक होते हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मुख्यमंत्री निवास में नवनियुक्त 62 खनि निरीक्षकों को नियुक्ति पत्र वितरण समारोह को संबोधित कर रहे थे। राज्य सरकार ने बीते एक वर्ष में 85 हजार युवाओं को रोजगार उपलब्ध करवाया है। कार्यक्रम में पिछड़ा वर्ग और अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कृष्णा गौर भी उपस्थित थी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रत्नगर्भा, वसुंधरा से जुड़कर नवनियुक्त खनि निरीक्षकों का भाग्योदय हो रहा है। आज का दिन इन युवाओं के लिए बहुत महत्वपूर्ण है, साथ ही उनके जीवन में नया प्रकाश लाने वाला दिन भी है। नवनियुक्त खनि निरीक्षक शासन से जुड़कर सिर्फ नौकरी ही प्राप्त नहीं कर रहे बल्कि सेवा का एक नया अवसर प्राप्त कर अपनी नई पहचान भी प्रारंभ कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नवनियुक्त खनि निरीक्षक आज जिस



मुकाम पर पहुंचे हैं, उसमें उनके माता-पिता और परिजन का आशीर्वाद एवं सहयोग भी शामिल है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में राष्ट्र आगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश भी प्रगति के मार्ग पर तीव्र गति से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री श्री मोदी युवाओं को शासकीय सेवा में आने पर कर्मचारी नहीं बल्कि कर्मयोगी मानते हैं। मध्यप्रदेश सरकार ने खनि निरीक्षकों को नियुक्ति पत्र के साथ ही विश्वास पत्र भी सौंपा है। सुशासन और लोक कल्याण के उद्देश्य से कार्य करते हुए ये युवा निश्चित ही सभी के लिए गर्व का कारण बनेंगे।

खनिज आय में वृद्धि

प्रमुख सचिव खनिज साधन श्री विवेक पोरवाल ने कहा कि प्रदेश में खनिजों से होने वाली आय आठ-नौ हजार करोड़ से बढ़कर 12 हजार करोड़ रुपए हो गई है। वित्त वर्ष 2026-27 में 72 खनि निरीक्षकों की नियुक्ति की पहल की गई। नवनियुक्त खनि निरीक्षक प्रदेश के खनिज राजस्व को बढ़ाने का कार्य करेंगे। प्रमुख सचिव श्री पोरवाल ने बताया कि भारत सरकार ने नीलामी के माध्यम से 33 कोयला खनन ब्लॉक आवंटित किए, जिसमें से 8 ब्लॉक में कोयला का उत्पादन शुरू हो गया हैं। छह अन्य कोयला खनन ब्लॉक में उत्पादन प्रारंभ करने के लिए माइन डेवलपमेंट का कार्य प्रारंभ किया गया है। छतरपुर जिले में 2 नए क्षेत्रों में हीरे की खोज के लिए अन्वेषण कार्य चल रहा है।पन्ना जिले के अंतर्गत एक हीरा ब्लॉक आवंटित किया गया है। स्वर्ण अयस्क की प्रोसेसिंग के लिए सिंगरौली में ग्रीनफील्ड गोल्ड कंसंट्रेट प्रोसेसिंग यूनिट स्थापित की जा रही है। सिंगरौली और कटनी में 6 स्वर्ण ब्लॉक नीलाम किए गए हैं। भारत सरकार ने खनन क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए मध्यप्रदेश को सम्मानित किया है। नीलामी प्रक्रिया और खनन क्षेत्र में सुधारों के लिए मध्यप्रदेश ने अग्रणी राज्य की पहचान बनाई है।

नवनियुक्त खनि निरीक्षक बोले- "हमारे लिए आज होली और दीपावली दोनों की खुशी है"

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने नवनियुक्त खनि निरीक्षकों में से 5 चयनित अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र प्रदान किया और नवनियुक्त खनि निरीक्षकों के साथ छायाचित्र खिंचवाया। कार्यक्रम में नवनियुक्त खनि निरीक्षकों ने कहा कि आज उनके लिए होली और दीपावली जैसा खुशी का दिन है। वे अपने दायित्व को पूरी लगन से पूरा करेंगे।

महिला ने जहरीला पदार्थ खाया : इलाज के दौरान मौत

बैतूल। बैतूल जिले के बीजादेही थाना क्षेत्र के बालोर मोरांढाना गांव में 50 वर्षीय महिला ने खेत पर बने मकान में जहरीला पदार्थ खा लिया। गुरुवार दोपहर करीब 12 बजे घटना के समय महिला मकान में अकेली थीं। गंभीर हालत में उन्हें चिचोली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से प्राथमिक उपचार के बाद बैतूल जिला अस्पताल रेफर किया गया। इलाज के दौरान देर रात उनकी मौत हो गई। पुलिस और परिजनों के मुताबिक मृतका की पहचान बालोर मोरांढाना निवासी सरस्वती पति अयोध्या प्रसाद काजले (50) के रूप में हुई है। गुरुवार दोपहर सरस्वती खेत पर बने मकान में अकेली थीं। उनके पति खेत में काम करने गए थे। इसी दौरान उन्होंने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। कुछ देर बाद पति घर लौटे तो सरस्वती बेहोशी की हालत में मिलीं। परिजन उन्हें तुरंत चिचोली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लेकर पहुंचे। हालत गंभीर होने पर डॉक्टरों ने उन्हें बैतूल जिला अस्पताल रेफर कर दिया। यहां इलाज के दौरान गुरुवार देर रात उनकी मौत हो गई।

भोपाल में बांग्लादेशी फर्जी पासपोर्ट केस

75 आरोपी चिह्नित, 19 फरार आरोपियों पर 20-20 हजार का इनाम

भोपाल। भोपाल में बांग्लादेशी नागरिकों को फर्जी दस्तावेजों के जरिए भारतीय पासपोर्ट दिलाने वाले नेटवर्क की जांच में एसटीएफ अब तक 75 आरोपियों को चिह्नित कर चुकी है। इनमें बांग्लादेशी नागरिकों के साथ फर्जी दस्तावेज, पते और गवाह उपलब्ध कराने वाले लोग शामिल हैं। 19 आरोपी अभी फरार हैं। इन पर 20-20 हजार रुपए का इनाम घोषित किया गया है। फरार आरोपियों में डबरा का गुलाब राय समेत दो, भोपाल के 14 और बैतूल के तीन आरोपी शामिल हैं। एसटीएफ डीआईजी राहुल लोढ़ा के मुताबिक, आरोपियों ने भोपाल, बैतूल, छिंदवाड़ा, डबरा और पाहुर्ना के मठों के पते का इस्तेमाल कर पासपोर्ट बनवाए। जांच में कुछ अफसरों और कर्मचारियों की मदद से पासपोर्ट तैयार होने की बात भी सामने आई है। अब पासपोर्ट सेवा केंद्र से जुड़े अधिकारी-कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

70 में से 50 पासपोर्ट में तीन ही गवाह : जांच में सामने आया कि करीब 70 फर्जी पासपोर्ट में से 50 में गयाप्रसाद गौतम, गुलाब राय और रियाल चौधरी उर्फ भंते मेतानंद ही गवाह बने। ज्यादातर पासपोर्ट में इन्हीं के मोबाइल नंबर भी दर्ज मिले हैं। मठों के पते के बार-बार इस्तेमाल होने से इनकी भूमिका जांच के केंद्र में है।

शिविर में हुई थी गुलाब और भंते की मुलाकात : फरार आरोपी गुलाब राय की मुलाकात रियाल चौधरी से बैतूल के आमला में लगे शिविर में हुई थी। इसके बाद झांसी के शिविर में भी दोनों मिले। वर्ष 2022 में डबरा के आंबेडकर पार्क में लगे शिविर में गुलाब अपने साथियों के साथ पहुंचा था। बाद में बौद्ध धर्म के प्रचार के लिए विदेश जाने की बात सामने आई और इसी आधार पर पासपोर्ट बनवाए गए। एसटीएफ को उसके झांसी में होने की जानकारी मिली है। **छह राज्यों में तलाश :** फरार आरोपियों के मध्यप्रदेश के अलावा असम, महाराष्ट्र, उत्तरप्रदेश, दिल्ली और पंजाब में छिपे होने की जानकारी मिली है।

कर्मचारियों से अभद्रता और गाली-गलौज के आरोप में पुलिस का एक्शन

रोड जाम करने वाले वाले 25-30 लोगों पर केस



दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। जनपद पंचायत बहोरीबंद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी को हटाने की मांग को लेकर जनपद अध्यक्ष लाल कमल बंसल के समर्थन में भीम आर्मी के कार्यकताओं ने बुधवार को बहोरीबंद में जुलूस निकालकर चक्काजाम किया। करीब तीन घंटे चले प्रदर्शन के दौरान बहोरीबंद-स्लीमनाबाद, बाकल और सिहोरा मार्ग पर आवागमन प्रभावित होने की बात सामने आई। प्रदर्शन के दौरान जनपद सीईओ एवं जनपद पंचायत के कर्मचारियों के खिलाफ कथित तौर पर अभद्र भाषा और गाली-गलौज किए जाने का आरोप भी लगाया गया है। इसी मामले में गुरुवार 24 सितंबर को बहोरीबंद पुलिस ने एफआईआर दर्ज की।

10 नामजद, 25-30 अन्य पर मामला- जनपद पंचायत बहोरीबंद में सहायक ग्रेड-3 के पद पर पदस्थ राकेश कुमार तिवारी द्वारा पुलिस को आवेदन दिया गया। आवेदन के आधार पर पुलिस ने चन्द्रभान बौद्ध, संदीप चौधरी, राम सूर्यवंशी, शरमन चौधरी, अनुज ठाकुर, विजय पटेल, राकेश पटेल, विष्णु चौधरी, राधे यादव और सीताराम लोधी को नामजद किया है। इनके साथ करीब 25-30 अन्य लोगों के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया है।

रास्ता रोकने और अभद्र भाषा के आरोप- शिकायत के मुताबिक बुधवार को साप्ताहिक बाजार होने के कारण बहोरीबंद में काफी आवागमन था। इसी दौरान बहोरीबंद स्लीमनाबाद तिराहे से बस स्टैंड तक जुलूस निकाला गया और बस स्टैंड क्षेत्र में सड़क पर बैठकर चक्काजाम किया गया। शिकायत में आरोप लगाया गया कि प्रदर्शन के दौरान जनपद सीईओ एवं कर्मचारियों के खिलाफ गाली-गलौज और अभद्र भाषा का प्रयोग किया गया तथा करीब एक घंटे तक आम लोगों का आवागमन बाधित रहा।

इन धाराओं में दर्ज हुआ मामला

बहोरीबंद पुलिस ने प्रथम दृष्टया भारतीय न्याय संहिता (इठर) की धारा 296(बी), 126(2) और 190 के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया है।

थाना प्रभारी ने क्या कहा?

पूरे मामले को लेकर थाना प्रभारी सुदेश कुमार सुमन के अनुसार, जनपद पंचायत के कर्मचारी राकेश कुमार तिवारी द्वारा दिए गए आवेदन के आधार पर नामजद आरोपियों एवं अन्य लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। शिकायत में रास्ता रोककर आवागमन बाधित करने तथा गाली-गलौज एवं अभद्र भाषा का प्रयोग करने के आरोप लगाए गए हैं। पुलिस ने मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है। वहीं, जनपद अध्यक्ष लाल कमल बंसल ने एफआईआर को राजनीतिक इशारे पर की गई कार्रवाई बताया है और कहा है कि उनका आंदोलन जनपद सीईओ की कार्यप्रणाली के विरोध तथा उन्हें हटाने की मांग को लेकर है। दूसरी ओर, सीईओ पक्ष पहले लगाए गए आरोपों को निराधार बता चुका है। फिलहाल बुधवार के चक्काजाम के बाद गुरुवार को दर्ज हुई एफआईआर से बहोरीबंद में जनपद अध्यक्ष और सीईओ के बीच चल रहा विवाद और गहरा गया है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।



मरीजों को पर्याप्त सुविधा

उपलब्ध कराने के दिये निर्देश

सार्थक ऐप से ही दर्ज हो डॉक्टरों-कर्मचारियों की उपस्थिति: कलेक्टर

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान-2026 के तहत कलेक्टर श्री आशीष तिवारी, पुलिस अधीक्षक श्री अभिनय विश्वकर्मा एवं वनमंडलाधिकारी श्री गर्वित गंगवार ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्लीमनाबाद का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने अस्पताल की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए मरीजों को उपलब्ध कराई जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की भी जानकारी ली।

सार्थक ऐप से ही दर्ज करें उपस्थिति

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री तिवारी ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देशित किया कि अस्पताल में पदस्थ सभी डॉक्टर एवं अन्य कर्मचारी अपनी उपस्थिति सार्थक ऐप के माध्यम से ही दर्ज करें। उन्होंने कहा कि चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मचारियों की नियमित एवं समय पर उपस्थिति सुनिश्चित की जाए, ताकि मरीजों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ सुचारू रूप से मिल सके।

मरीजों को मिले बेहतर उपचार की सुविधा

कलेक्टर श्री तिवारी ने अस्पताल प्रबंधन को निर्देशित किया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आने वाले सभी मरीजों को पर्याप्त एवं समय पर बेहतर उपचार उपलब्ध कराया जाए। मरीजों को उपचार के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने और अस्पताल की व्यवस्थाओं को व्यवस्थित रखने के निर्देश भी दिए।

गणपति बप्पा को विदाई देते समय नम हुई श्रद्धालुओं की आंखें, सुरक्षा व्यवस्था में मुस्तैद रही पुलिस

झमाझम बारिश के बीच स्लीमनाबाद नदी में हुआ गणेश प्रतिमाओं का विसर्जन



दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। गणेश उत्सव के समापन अवसर पर शुक्रवार को स्लीमनाबाद क्षेत्र में झमाझम बारिश के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान श्री गणेश की प्रतिमाओं का विसर्जन किया। बारिश के बावजूद श्रद्धालुओं का उत्साह कम नहीं हुआ और पूरे भक्तिभाव के साथ गणपति बप्पा को विदाई दी गई। प्रतिमा विसर्जन के दौरान श्रद्धालुओं की आंखें नम नजर आईं और वातावरण ह्यगणपति बप्पा मोरया, अगले बरस तू जल्दी आह्न के जयघोष से गूंज उठा। सुबह से ही गणेश प्रतिमाओं को लेकर श्रद्धालु विसर्जन स्थल पहुंचने लगे थे। झमाझम बारिश के चलते विसर्जन का सिलसिला देर शाम तक जारी रहा। कई श्रद्धालु बारिश में भीगते हुए गणपति प्रतिमाओं को लेकर पहुंचे और विधि-विधान एवं श्रद्धाभाव के साथ विसर्जन किया।

तैनात रही पुलिस

गणेश प्रतिमा विसर्जन को देखते हुए स्लीमनाबाद पुलिस ने सुरक्षा व्यवस्था पर लगातार नजर बनाए रखी। पुलिस बल पूरे समय विसर्जन स्थल पर तैनात रहा और श्रद्धालुओं की आवाजाही एवं व्यवस्था को नियंत्रित किया। बारिश के बीच भी पुलिसकर्मी विसर्जन स्थल पर मुस्तैद रहे, जिससे श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की परेशानी न हो। विसर्जन के दौरान गणेश उत्सव समितियों और श्रद्धालुओं द्वारा ढोल-नगाड़ों एवं जयकारों के साथ भगवान गणेश को विदाई दी गई। कई स्थानों पर श्रद्धालु भावुक नजर आए और अगले वर्ष पुनः गणपति बप्पा के आगमन की कामना की। बारिश की रिमझिम फुहारों और भक्तिमय माहौल के बीच देर शाम तक गणेश प्रतिमाओं के विसर्जन का सिलसिला चलता रहा।

निष्पक्ष जांच, नियमित निगरानी

और दोषियों पर कार्रवाई की मांग

अवैध शराब बिक्री के खिलाफ ग्रामीणों ने खोला मोर्चा



पवई। ग्राम पंचायत मुराछ एवं आसपास के क्षेत्रों में कथित अवैध शराब बिक्री को लेकर ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। गुरुवार 24 सितंबर 2026 को ग्रामीणों, युवाओं, जागरूक नागरिकों एवं मातृशक्ति ने एकजुट होकर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) पवई के नाम ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में ग्रामीणों ने क्षेत्र में कथित अवैध शराब बिक्री, भंडारण एवं परिवहन की निष्पक्ष जांच कराने तथा शिकायत सही पाए जाने पर संबंधित लोगों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की मांग की। ग्रामीणों का कहना है कि अवैध शराब बिक्री की शिकायतों से गांव के सामाजिक वातावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की आशंका है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से क्षेत्र में नियमित जांच एवं निगरानी अभियान चलाने की मांग की, ताकि ऐसी गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सके। साथ ही जांच में कार्रवाई होने पर उसकी जानकारी ग्रामीणों को उपलब्ध कराने का आग्रह किया। ग्रामीणों ने कहा कि उनका उद्देश्य क्षेत्र में कानून व्यवस्था एवं सामाजिक वातावरण को बेहतर बनाए रखना है। उन्होंने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कर शिकायत सही पाए जाने पर नियमानुसार कार्रवाई की मांग की।



गुनौर पुलिस ने 60 हजार रुपये

कीमत का गांजा किया जब्त

3.048 किलो गांजा के साथ आरोपी गिरफ्तार

दैनिक रेवांचल टाइम्स, पन्ना। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुश्री वंदना सिंह चौहान के मार्गदर्शन में अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत गुनौर पुलिस ने एक आरोपी को **3.048 किलोग्राम गांजा** के साथ गिरफ्तार किया है।

बरामद गांजे की अनुमानित कीमत करीब **60 हजार रुपये** बताई गई है। पुलिस के अनुसार, 24 सितंबर 2026 को थाना प्रभारी गुनौर उपनिरीक्षक बलबीर सिंह को मुखबिर से सूचना मिली कि बालाजी बाईपास तिराहा के पास एक व्यक्ति काले रंग के पिट्ठू बैग में गांजा लेकर खड़ा है। सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। पुलिस को देखकर संदिग्ध ने भागने का प्रयास किया, लेकिन घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम **शालिकराम पटेल (31), निवासी धनोखर, थाना गुनौर, जिला पन्ना** बताया। तलाशी के दौरान उसके बैग से बरसाती और टेप में पैक तीन पैकेट मिले, जिनमें कुल 3.048 किलोग्राम गांजा बरामद हुआ। पुलिस ने गांजा, पैकिंग सामग्री एवं पिट्ठू बैग जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया। आरोपी के विरुद्ध थाना गुनौर में **धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट** के तहत प्रकरण दर्ज कर उसे न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस द्वारा गांजे के स्रोत और उससे जुड़े अन्य लोगों के संबंध में पूछताछ एवं विवेचना की जा रही है। कार्रवाई में थाना प्रभारी बलबीर सिंह सहित पुलिस टीम का सराहनीय योगदान रहा।



हाथी रेजुविनेशन (पुनर्यौवनीकरण) कैंप

पन्ना। पन्ना टाइगर रिजर्व के हिनौता हाथी कैंप में सप्ताहिक हाथी रेजुविनेशन (पुनर्यौवनीकरण) कैंप 24 सितंबर 2026 से हाथी महोत्सव एवं रेजोल्यूशन कैंप का शुभारंभ उत्साहपूर्वक किया गया है। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य हाथियों के संरक्षण के प्रति जन-जागरुकता बढ़ाना और उनके स्वास्थ्य व प्रबंधन को सुदृढ़ करना है। हाथी पुणर्यौवनीकरण कैंप का उद्घाटन पन्ना टाइगर रिजर्व के क्षेत्र संचालक श्री ब्रिजेंद्र श्रीवास्तव के द्वारा किया गया ।हाथी पुणर्यौवनीकरण कैंप में मुख्य वन संरक्षक (उउ॥) छतरपुर श्री नरेश सिंह यादव, कलेक्टर पन्ना श्रीमती उषा परमार, वन मंडलाधिकारी दक्षिण पन्ना श्री अनुपम शर्मा, वन मंडलाधिकारी उत्तर पन्ना श्री धीरेंद्र प्रताप सिंह, पन्ना टाइगर रिजर्व के उपसंचालक, जिला पंचायत सीईओ श्री उमराव मरावी, हिनौता की सरपंच, ईको विकास समिति के अध्यक्ष, एनएमडीसी (मंझगवां) के महाप्रबंधक, सभी सहायक संचालक, वन परिक्षेत्राधिकारी, फील्ड स्टाफ, आकस्मिक श्रमिक तथा हाथियों की देखरेख करने वाले महावत, सहायक महावत व चारा कटर ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस दौरान हाथियों को पौष्टिक आहार के रूप में ड्राई फ्रूट, गुड के लड्डू, तरबूज, केला, सेब और गन्ना जैसे फल विशेष डाइट के रूप में खिलाए गए।

द्वितीय दिवस की मुख्य गतिविधियाँ

कार्यक्रम के दूसरे दिन आज दिनांक 25 सितंबर 2026 को पन्ना विधानसभा क्षेत्र के माननीय विधायक श्री बृजेंद्र प्रताप सिंह जी का हिनौता हाथी कैंप में गरिमामयी आगमन हुआ। उनके साथ उपसंचालक महोदय, हिनौता परिक्षेत्र के रेंज अधिकारी, समस्त वन कर्मचारी और महावत उपस्थित रहे। माननीय विधायक महोदय ने कैंप का अवलोकन किया और पन्ना टाइगर रिजर्व में बढ़ रहे हाथियों के कुनबे तथा उनके संरक्षण की दिशा में किए जा रहे प्रभावी प्रबंधों की सराहना की। आगामी कार्यक्रम और स्वास्थ्य परीक्षण: यह महोत्सव आगामी 30 सितंबर 2026 तक जारी रहेगा। वन्य प्राणी स्वास्थ्य अधिकारी श्री संजीव गुप्ता के मार्गदर्शन में हाथियों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाएगा। साथ ही, एनएमडीसी सिविल अस्पताल के चिकित्सकों द्वारा हाथी स्टाफ का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया जाएगा। पन्ना टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने क्षेत्र के सभी गणमान्य नागरिकों और प्रकृति प्रेमियों से अपील की है कि वे इस कैंप में भाग लें और वन्यजीवों एवं वनों की सुरक्षा के इस अभियान में अपना सहयोग दें।

अधीक्षण अभियंता डीएन चोकसीकर ने स्लीमनाबाद वितरण केंद्र का किया निरीक्षण

बड़े बकायादारों पर कार्रवाई,

बिगड़े बिलों में सुधार और रिकॉर्ड व्यवस्थित रखने के दिए निर्देश



दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण अभियंता डीएन चोकसीकर द्वारा स्लीमनाबाद उपसंभाग अंतर्गत स्लीमनाबाद वितरण केंद्र कार्यालय का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान कार्यालयीन व्यवस्थाओं, राजस्व वसूली, बड़े बकायादार उपभोक्ताओं पर की जा रही कार्रवाई तथा विद्युत संबंधी रिकॉर्ड का जायजा लेते हुए अधिकारियों-कर्मचारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। निरीक्षण के दौरान एक लाख रुपये से अधिक के विद्युत बिल बकायादार उपभोक्ताओं की सूची का अवलोकन किया गया। ऐसे उपभोक्ताओं के विरुद्ध नियमानुसार डीआरए की कार्रवाई करने तथा की गई कार्रवाई का रिकॉर्ड व्यवस्थित रूप से संधारित करने के निर्देश दिए गए। इस दौरान संबंधित रजिस्टर का भी अवलोकन किया गया। अधीक्षण अभियंता ने बड़े बकायादार उपभोक्ताओं के खाता नंबर सीज करने की कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जिन उपभोक्ताओं के खाता नंबर सीज किए जा चुके हैं, उनका विवरण निर्धारित रजिस्टर में दर्ज करने तथा रिकॉर्ड को अद्यतन रखने के लिए भी निर्देशित किया गया। उन्होंने कहा कि तीन माह से अधिक समय से विद्युत बिल बकाया रखने वाले उपभोक्ताओं के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई करते हुए बकाया राशि की वसूली सुनिश्चित की जाए। साथ ही कार्यालय में लंबित एवं बिगड़े हुए बिलों को चिन्हित कर उनका आवश्यक सुधार करने तथा सभी कार्यालयीन रिकॉर्ड को व्यवस्थित तरीके से संधारित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान केस डिमांड को 100 प्रतिशत लाने के लिए आवश्यक कार्रवाई करने पर भी जोर दिया गया। इसके अलावा एरिया स्टोर में रखे फेल ट्रांसफॉर्मरों (DTR) को प्रतिदिन वापस लौटाने के निर्देश दिए गए। स्पष्ट निर्देश दिए गए कि फेल ट्रांसफॉर्मरों को अनावश्यक रूप से स्टोर में एकत्रित करके न रखा जाए। अधीक्षण अभियंता ने राजस्व वसूली में तेजी लाने, लंबित मामलों का नियमानुसार निराकरण करने और कार्यालयीन रिकॉर्ड को अपडेट रखने पर विशेष जोर दिया। निरीक्षण के दौरान संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

पन्ना पुलिस ने ताला तोड़कर चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर भेजा जेल



दैनिक रेवांचल टाइम्स, पन्ना। पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन में संपत्ति संबंधी अपराधों में आरोपियों की धरपकड़ एवं चोरी की घटनाओं के त्वरित खुलासे के लिए पन्ना पुलिस द्वारा लगातार प्रभावी कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में थाना कोतवाली पन्ना पुलिस ने गृहभेदन कर चोरी करने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर दो अलग-अलग चोरी की घटनाओं का खुलासा किया है। पुलिस के अनुसार, फरियादी जगदीश सिंह ठाकुर, पिता रतन सिंह ठाकुर, उम्र 55 वर्ष, निवासी विटनरी के पास आगरा मोहल्ला पन्ना ने थाना कोतवाली पन्ना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि 11 सितंबर 2026 को वह अपने परिवार के साथ अपने पैतृक गांव पगरा गए थे। 14 सितंबर को वापस लौटने पर उन्होंने देखा कि घर के दरवाजे का ताला टूटा हुआ था तथा अंदर रखी गोदरेज अलमारी का लॉक भी टूटा था। सामान की जांच करने पर चांदी के जेवरात एवं 10 हजार रुपये नकद गायब मिले। फरियादी की रिपोर्ट पर थाना कोतवाली पन्ना में अज्ञात आरोपी के विरुद्ध अपराध क्रमांक 721/2026, धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के तहत मामला दर्ज कर विवेचना में लिया गया। इसी प्रकार चौकी सिविल लाइन क्षेत्र की एक किराना दुकान से तेल की पिकिया (केन), किराना सामान एवं 4 हजार रुपये नकद चोरी होने की रिपोर्ट भी दर्ज कराई गई थी। इस मामले में थाना कोतवाली पन्ना में अज्ञात आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 664/2026, धारा 331(4), 305(ए) बीएनएस के तहत प्रकरण पंजीबद्ध कर विवेचना शुरू की गई। दोनों मामलों की जानकारी थाना प्रभारी कोतवाली पन्ना निरीक्षक रोहित मिश्रा द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को दी गई। चोरी की घटनाओं में शामिल आरोपियों की गिरफ्तारी एवं चोरी गए मशरूका की बरामदगी के लिए पुलिस अधीक्षक पन्ना श्रीमती निवेदिता नायडू के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना सुश्री वंदना चौहान के मार्गदर्शन एवं थाना प्रभारी कोतवाली पन्ना के नेतृत्व में पुलिस टीम गठित की गई। पुलिस टीम ने अज्ञात आरोपियों के संबंध में लगातार जानकारी एकत्रित करते हुए तलाश शुरू की। इसी दौरान एक संदिग्ध व्यक्ति को चिन्हित कर मुखबिर की सूचना के आधार पर पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। पूछताछ के दौरान संदिग्ध ने अपने साथी के साथ मिलकर 11 सितंबर 2026 की रात विटनरी अस्पताल के पास स्थित मकान में चोरी करना स्वीकार किया। पुलिस के अनुसार, आरोपियों ने घर के गेट का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया तथा गोदरेज अलमारी का लॉक तोड़कर चांदी के आभूषण एवं नकदी चोरी की थी। पूछताछ में किराना दुकान से किराना सामान, तेल की पिकिया (केन) एवं नकदी चोरी करने की बात भी सामने आई। इसके बाद पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी का मशरूका बरामद किया। पुलिस टीम ने गिरफ्तार आरोपियों की निशानदेही पर चोरी किए गए मशरूका में से कुल **25 हजार रुपये नकद, 4 पिकिया (सरसों तेल एवं रिफाइंड तेल), पेंचकस एवं किराना सामान** बरामद कर जब्त किया है। मामले में पुलिस की विवेचना जारी है। 1. **कैलाश कुशवाहा**, पिता भन्नू कुशवाहा, उम्र 30 वर्ष, निवासी मोहन निवास चौराहा, पन्ना, जिला पन्ना (म.प्र.) 2. **अख्तर खान**, निवासी आगरा मोहल्ला, पन्ना, जिला पन्ना (म.प्र.) उक्त संपूर्ण कार्रवाई में थाना प्रभारी कोतवाली पन्ना निरीक्षक रोहित मिश्रा, चौकी प्रभारी सिविल लाइन उनि मनोरमा मौर्य, प्र.आर. वृषकेतु रावत, खेमचंद राय, आइमत सेन, सुनील पाण्डेय, सन्तलाल प्रजापति, जानकी कोंदर, आर. जीतेन्द्र अचाले सहित अन्य की भूमिका रही।

कलेक्टर, एसपी ने किया महाकौशल रिफ्रेक्ट्रीज का निरीक्षण

दैनिक रेवांचल टाईम्स, कटनी। मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के तहत कलेक्टर श्री आशीष तिवारी, पुलिस अधीक्षक श्री अभिनय विश्वकर्मा, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती हरसिमरनप्रीत कौर एवं वनमंडलाधिकारी श्री गर्वित गंगवार ने स्लीमनाबाद स्थित महाकौशल रिफ्रेक्ट्री का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने महाकौशल रिफ्रेक्ट्रीज परिसर में संचालित एवं निर्मित की जाने वाली विभिन्न इकाइयों का अवलोकन किया।

गणेश विसर्जन के बीच भ्रष्टाचार के आरोपों पर बड़ा विसर्जन – मंडला में सरकारी दफ्तरों में रिश्वत के लगातार ट्रैप से उठे सिस्टम पर सवाल

2 लाख की रिश्वत लेते लोकायुक्त के शिकंजे में CMO – भुगतान के बदले 4 लाख मांगने का आरोप, पहली किस्त लेते ही ट्रैप

नगरपालिका अधिकारी गजानन नाफड़े अब 'लफड़े' में!



दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। मंडला में गणेश विसर्जन के दिन नगर पालिका के मुख्य नगर पालिका अधिकारी गजानन नाफड़े खुद लोकायुक्त के जाल में फंस गए। जबलपुर लोकायुक्त की टीम ने शुक्रवार को मंडला नगरपालिका कार्यालय में कार्रवाई करते हुए उटड को 2 लाख रुपए की कथित रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़ा। कार्रवाई के बाद लोकायुक्त टीम उन्हें आगे की कानूनी कार्रवाई के लिए सर्किट हाउस ले गई। मामला किसी छोटे-मोटे भुगतान का नहीं, बल्कि ठेकेदार के लंबित भुगतान से जुड़ा बताया जा रहा है। लोकायुक्त से संबंधित मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक करीब 15 लाख रुपए के लंबित बिल के भुगतान के एवज में 4 लाख रुपए की रिश्वत मांगने का आरोप है। पहली किस्त के रूप में 2 लाख रुपए देने की बात तय होने के बाद लोकायुक्त ने ट्रैप की कार्रवाई की।

भुगतान सरकारी, लेकिन प्रतिशत किसका?

लोकायुक्त कार्रवाई से सामने आए आरोपों ने नगर पालिका में ठेकेदारों के भुगतान की प्रक्रिया पर बड़ा सवाल खड़ा कर दिया है। उपलब्ध रिपोर्टों के अनुसार ठेकेदार ने नगर पालिका के विभिन्न कार्यों से संबंधित भुगतान और लंबित बिलों को लेकर शिकायत की थी। रिपोर्टों में करीब 39.23 लाख रुपए के पूर्व भुगतान और करीब 15 लाख रुपए के लंबित भुगतान का उल्लेख है। आरोप है कि पूर्व भुगतान से जुड़े काम के एवज में लगभग 12 प्रतिशत की दर से 4 लाख रुपए की मांग की गई। शिकायत के सत्यापन के बाद लोकायुक्त ने जाल बिछाया और तय योजना के तहत 2 लाख रुपए की पहली किस्त लेते ही उटड को पकड़ लिया। अब सवाल यह है— सरकारी बिल पास कराने के लिए क्या ह्यप्रतिशतह्ल की कोई समानांतर व्यवस्था चल रही थी? मंडला में लोकायुक्त की दस्तक लगातार, फिर भी नहीं टूट रहा ह्यरिश्वत तंत्रह्ल यह कार्रवाई इसलिए भी गंभीर है क्योंकि हाल के हफ्तों में मंडला जिले में लोकायुक्त की एक के बाद एक कार्रवाइयां सामने आई हैं। 13 अगस्त 2026 को नारायणगंज विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय में पदस्थ बाबू को ऋ्रऋराशि निकलवाने के एवज में 5 हजार रुपए लेते लोकायुक्त ने पकड़ा था। शिकायत में 10 हजार रुपए मांगने और पहली किस्त लेने की बात सामने आई थी। इसके बाद 17 सितंबर 2026 को बम्हनी बंजर उप तहसील में नामांतरण के मामले में 8 हजार रुपए की रिश्वत लेते एक निजी कर्मचारी को लोकायुक्त ने पकड़ा। मामले में नायब तहसीलदार की भूमिका को लेकर भी प्रकरण दर्ज होने की रिपोर्ट सामने आई। और अब 25 सितंबर को नगर पालिका के उटड पर 2 लाख रुपए की ट्रैप कार्रवाई। तीन कार्रवाइयांह्ल सवाल एक—क्या मंडला के सरकारी दफ्तरों में रिश्वत का तंत्र खत्म होने के बजाय और मजबूत हो रहा है?

जनप्रतिनिधियों की चुप्पी पर भी सवाल

मंडला जिले में लगातार लोकायुक्त कार्रवाई हो रही है तो अब सवाल सिर्फ अधिकारियों और कर्मचारियों तक सीमित नहीं रह सकता। नगरपालिका में बैठे जिम्मेदार अधिकारी पर इतनी बड़ी रिश्वत मांगने का आरोप सामने आने के बाद जिले के जनप्रतिनिधियों ने क्या जवाब मांगा? क्या किसी विधायक, सांसद या मंत्री ने संबंधित विभाग से पूछा कि— आखिर सरकारी काम का भुगतान कराने के लिए ठेकेदार को लोकायुक्त तक क्यों जाना पड़ा? क्या जनप्रतिनिधियों को अपने-अपने क्षेत्रों के सरकारी कार्यालयों में चल रही शिकायतों की जानकारी नहीं मिलती? और यदि जानकारी मिलती है तो कार्रवाई के लिए दबाव क्यों नहीं बनाया जाता? यह आरोप लगाना उचित नहीं होगा कि किसी जनप्रतिनिधि ने आरोपी अधिकारी को संरक्षण दिया है, जब तक उसके समर्थन में ठोस प्रमाण सामने न हों। लेकिन लगातार कार्रवाई के बाद भी यदि वही तंत्र चलता दिखाई दे, तो प्रशासन और राजनीतिक नेतृत्व से जवाब मांगना जनता का स्वाभाविक अधिकार है।

सबका साथ, सबका विकास के बीच कमीशन का सवाल

सरकार पारदर्शिता, सुशासन और भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की बात करती है। दूसरी तरफ सरकारी भुगतान से जुड़े मामलों में रिश्वत के आरोप और लोकायुक्त के ट्रैप सामने आते हैं। तो फिर सवाल सीधा है— क्या सुशासन सिर्फ भाषणों में है? क्या भ्रष्टाचार विरोधी नीति सिर्फ पोस्टर और विज्ञापनों तक सीमित है? क्या कार्रवाई के बाद भी भ्रष्टाचारियों पर ऐसा प्रभावी प्रशासनिक शिकंजा नहीं कस पा रहा, जिससे बाकी अधिकारियों-कर्मचारियों में डर पैदा हो?

जिला प्रशासन के लिए भी अग्निपरीक्षा

लोकायुक्त की कार्रवाई के बाद अब जिला प्रशासन के सामने सबसे बड़ा सवाल है कि नगर पालिका में लंबित भुगतान, ठेके, बिल पास करने की प्रक्रिया और संबंधित दस्तावेजों की निष्पक्ष जांच होगी या मामला सिर्फ ट्रैप कार्रवाई तक सीमित रह जाएगा। जांच का दायरा सिर्फ 2 लाख रुपए की कथित रिश्वत तक सीमित रहने के बजाय यह भी देखे जाने की जरूरत है कि संबंधित भुगतान की फाइल कहां अटकी थी, किस स्तर पर प्रक्रिया लंबित थी, ठेकेदार से संबंधित कितने भुगतान हुए, किन कार्यों के बिल लंबित हैं और कथित मांग के पीछे कोई व्यापक पैटर्न था या नहीं।

मंडला को चाहिए ट्रैप नहीं, भ्रष्टाचार से मुक्ति

लोकायुक्त की कार्रवाई भ्रष्टाचार के खिलाफ कानूनी प्रक्रिया का हिस्सा है, लेकिन जनता का सवाल इससे आगे है। आखिर कब तक मंडला में लोकायुक्त की टीम आती रहेगी, रिश्वतखोर पकड़े जाते रहेंगे और कुछ दिनों बाद सरकारी दफ्तर फिर उसी ढर्रे पर लौट जाएंगे? कब होगी उन अधिकारियों की जवाबदेही, जिनके कार्यालयों में बार-बार रिश्वत की शिकायतें सामने आती हैं? कब तय होगी जनप्रतिनिधियों की जिम्मेदारी कि उनके क्षेत्रों में जनता को सरकारी काम के लिए रिश्वत न देनी पड़े?

मंडला को केवल रंगे हाथ पकड़े जाने की खबर नहीं चाहिए।

मंडला को ऐसी व्यवस्था चाहिए, जहां सरकारी काम के बदले रिश्वत मांगने की हिम्मत ही न हो। और अब गेंद जिला प्रशासन, संबंधित विभाग और सरकार के पाले में है— क्या इस कार्रवाई को एक और ह्यट्रैपह्ल बनाकर छोड़ दिया जाएगा, या नगरपालिका के पूरे भुगतान और ठेका तंत्र की तह तक जाकर जवाबदेही तय होगी? लोकायुक्त का ट्रैप तो हुआ, अब भ्रष्टाचार के पूरे नेटवर्क की जांच कब?ह्ल ह्ल2 लाख की रिश्वत ने खोला नगरपालिका का दरवाजा—अब फाइलों की जांच से खुलेगा अंदर का राज?ह्ल ह्लअधिकारी पकड़ा गया, लेकिन सवाल कायम—रिश्वत मांगने की नौबत आखिर आई क्यों?



दूसरे दिन भी सुनवाई नहीं, माइक्रो फाइनेंस कंपनियों के विरोध में महिलाओं का अनिश्चितकालीन धरना जारी

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले में माइक्रो फाइनेंस कंपनियों एवं बैंकों की कथित अवैध वसूली के विरोध में महिलाओं का आंदोलन शुक्रवार को दूसरे दिन भी कलेक्ट्रेट मार्ग स्थित धरना स्थल पर जारी रहा। अनिश्चितकालीन धरने पर बैठी महिलाओं का कहना है कि उनकी समस्याओं का समाधान होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

4-5 संस्थाओं से कर्ज दिए जाने का आरोप

धरने पर बैठी महिलाओं का आरोप है कि करीब तीन-चार वर्ष पहले निम्न आय वर्ग की ग्रामीण महिलाओं की आर्थिक स्थिति का पर्याप्त आकलन किए बिना कई महिलाओं को एक साथ चार-पांच माइक्रो फाइनेंस संस्थाओं से कर्ज दिया गया। महिलाओं के मुताबिक उस समय उन्हें अपनी सुविधा के अनुसार राशि जमा करने की बात कही गई थी। महिलाओं का आरोप है कि अब अलग-अलग संस्थाओं के एजेंट लगातार उनके घर पहुंचकर भुगतान के लिए दबाव बना रहे हैं। प्रदर्शनकारी महिलाओं ने कुछ एजेंटों पर घरों के भीतर पहुंचकर परिवार के सदस्यों को परेशान करने का भी आरोप लगाया है। इन आरोपों की स्वतंत्र प्रशासनिक पुष्टि होना अभी बाकी है।

एक महिला को जबलपुर ले जाने का भी आरोप

आंदोलनकारी महिलाओं ने दावा किया कि हाल ही में एक महिला को कंपनी से जुड़े लोग जबलपुर ले गए। उनका यह भी आरोप है कि वसूली के दबाव और भय के कारण कुछ महिलाएं घर-परिवार छोड़कर चली गई हैं। इन गंभीर आरोपों की प्रशासन और संबंधित एजेंसियों से जांच की मांग की गई है। 13 गांव प्रभावित होने का दावा दूसरा दिन धरना जारी अनिश्चितकालीन आंदोलन का ऐलान

कंपनियों की जांच और महिलाओं को राहत देने की मांग

महिलाओं ने जिला प्रशासन से माइक्रो फाइनेंस संस्थाओं और उनके वसूली तंत्र की जांच कराने की मांग की है। उनका कहना है कि कर्ज, जमा की गई राशि और बकाया रकम का स्पष्ट लेखा-जोखा उपलब्ध कराया जाए तथा यदि किसी स्तर पर नियम विरुद्ध वसूली या प्रताड़ना सामने आती है तो संबंधित लोगों के खिलाफ कार्रवाई की जाए।

शिक्षा, स्वास्थ्य, पानी-बिजली और रोजगार के मुद्दे भी उठाए- आंदोलनकारी महिलाओं ने माइक्रो फाइनेंस के मुद्दे के साथ ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, बिजली, रोजगार और अवैध शराब से जुड़ी समस्याओं के समाधान की भी मांग रखी है। महिलाओं का कहना है कि ग्रामीण परिवारों की बुनियादी समस्याओं का समय पर समाधान होने से आर्थिक संकट और कर्ज पर निर्भरता को कम करने में मदद मिल सकती है। **महिलाओं ने कई संस्थाओं के नाम बताए-** प्रदर्शनकारी महिलाओं ने अपने बयान में फिनकेट, स्वतंत्र कंपनी, बंधन बैंक, रोटींग कंपनी, बीएसएस कंपनी, उत्कृष्ट कंपनी, एसबी सियाल कंपनी, भारत फाइनेंस कंपनी, अन्नपूर्णा कंपनी और दिशा कंपनी सहित कई संस्थाओं के नाम लिए हैं। महिलाओं का दावा है कि ऐसी कई अन्य संस्थाएं भी क्षेत्र में सक्रिय हैं और जमा की गई राशि का पूरा लेखा-जोखा उन्हें उपलब्ध नहीं कराया गया है।

स्पष्टिकरण: खबर में उल्लिखित कंपनियों/संस्थाओं के संबंध में लगाए गए आरोप आंदोलनकारी महिलाओं के बयान पर आधारित हैं। आरोपों की स्वतंत्र अथवा प्रशासनिक पुष्टि इस समाचार में स्थापित नहीं की गई है। संबंधित संस्थाओं का पक्ष सामने आने पर उसे भी प्रकाशित किया जाना उचित होगा।

समाधान नहीं होने तक जारी रहेगा धरना

धरने का नेतृत्व कर रहीं समाजसेवी कलिया बाई कोकड़िया ने कहा कि महिलाओं की समस्याओं का समाधान होने तक अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा। आंदोलन को लोक परोपकारी मंच का भी समर्थन मिलने की बात कही गई है। शक्रवार को धरना स्थल पर मुख्य रूप से बनियातारा, रसैयादोना, कुड़ा, देवरी और निंधानी की महिलाएं मौजूद रहीं। आंदोलनकारियों की नजर अब जिला प्रशासन की कार्रवाई पर है।

अधीनस्थ कर्मचारी के खिलाफ शिकायतों पर कार्रवाई हुई या मामला दबा दिया गया? अभिलेखों की जांच से खुलेगा सच

शिकायतों के घेरे में महिला एवं बाल विकास कार्यालय, जिम्मेदारों की भूमिका पर भी सवाल

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। महिला एवं बाल विकास परियोजना कार्यालय बिछिया की कार्यप्रणाली को लेकर गंभीर सवाल उठाए जा रहे हैं। परियोजना कार्यालय के प्रभारी अधिकारी विनोद वाहने पर आरोप लगाए जा रहे हैं कि अधीनस्थ कर्मचारी के विरुद्ध लगातार शिकायतें सामने आने के बावजूद अपेक्षित प्रशासनिक कार्रवाई नहीं की गई। शिकायतकताओं का आरोप है कि संबंधित कर्मचारी को कथित संरक्षण मिलने के कारण शिकायतों का प्रभावी निराकरण नहीं हो पा रहा है। हालांकि इन आरोपों की वास्तविक स्थिति विभागीय जांच और अभिलेखों के परीक्षण के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

सवाल सीधा है—शिकायतों पर कार्रवाई हुई तो रिकॉर्ड कहां है?

यदि शिकायतें निराधार हैं तो निष्पक्ष जांच कर स्थिति स्पष्ट क्यों नहीं की गई? और यदि शिकायतों में तथ्य हैं तो संबंधित स्तर पर क्या कार्रवाई हुई? यही सवाल अब विभागीय कार्यप्रणाली और प्रशासनिक पारदर्शिता को लेकर उठ रहे हैं। शिकायत क्या जांच की गई? स्पष्टीकरण क्या कर्मचारी से मांगा गया? कार्रवाई रिकॉर्ड क्या कहता है? वरिष्ठ अधिकारियों तक क्या पहुंची रिपोर्ट? प्रकरण में यह भी जांच का विषय है कि संबंधित कर्मचारी के विरुद्ध प्राप्त शिकायतों की जानकारी परियोजना कार्यालय द्वारा वरिष्ठ अधिकारियों को किस रूप में भेजी गई। क्या प्रत्येक शिकायत को विधिवत दर्ज किया गया और उस पर जांच की प्रक्रिया अपनाई गई? यह भी स्पष्ट होना जरूरी है कि संबंधित कर्मचारी से कोई स्पष्टीकरण मांगा गया या नहीं, उपस्थिति एवं कार्यप्रणाली से जुड़े अभिलेखों का परीक्षण किया गया या नहीं और यदि किसी स्तर पर कार्रवाई की गई तो उसका विभागीय रिकॉर्ड क्या कहता है।

मौखिक दावों से नहीं, अभिलेखों से सामने आए तथ्य

शिकायतों पर वास्तव में क्या कार्रवाई हुई, इसका जवाब विभागीय अभिलेखों से सामने आ सकता है। शिकायत पत्र, उपस्थिति पंजी, कार्यालयीन पत्राचार, स्पष्टीकरण और कार्रवाई संबंधी दस्तावेज वास्तविक स्थिति स्पष्ट करने में महत्वपूर्ण होंगे।

शिकायतों की अनदेखी या प्रशासनिक लापरवाही?

महिला एवं बाल विकास विभाग सीधे महिलाओं और बच्चों से जुड़े संवेदनशील दायित्वों का निर्वहन करता है। ऐसे में कर्मचारियों की उपस्थिति, कर्तव्यपालन, अनुशासन और आचरण से संबंधित शिकायतों की निष्पक्ष जांच आवश्यक मानी जाती है। शिकायतों को लंबे समय तक लंबित रखना अथवा उनका पर्याप्त परीक्षण किए बिना निराकरण करना—दोनों ही स्थितियां प्रशासनिक पारदर्शिता को लेकर सवाल पैदा कर सकती हैं। इसलिए यह स्पष्ट होना जरूरी है कि शिकायत मिलने के बाद कार्यालय स्तर पर कौन-कौन से कदम उठाए गए।

इन अभिलेखों की जांच से स्पष्ट हो सकती है स्थिति

शिकायत पत्रों का प्राप्ति एवं निराकरण रिकॉर्ड कर्मचारी की उपस्थिति से संबंधित पंजी कार्यालयीन पत्राचार एवं वरिष्ठ अधिकारियों को भेजी गई रिपोर्ट कारण बताओ नोटिस अथवा स्पष्टीकरण संबंधी दस्तावेज जांच एवं कार्रवाई से संबंधित आदेश और अभिलेख अब जिला स्तर पर निष्पक्ष जांच की जरूरत पूरे मामले में केवल संबंधित कर्मचारी के खिलाफ की गई शिकायतों का परीक्षण ही पर्याप्त नहीं होगा। शिकायतें मिलने के बाद परियोजना कार्यालय स्तर पर क्या कार्रवाई हुई और वरिष्ठ अधिकारियों को क्या जानकारी भेजी गई, इसकी भी जांच होने पर वास्तविक स्थिति सामने आ सकती है। शिकायतें गलत हैं तो स्थिति साफ हो, सही हैं तो जिम्मेदारी तय हो यदि जांच में शिकायतें निराधार पाई जाती हैं तो विभाग को अभिलेखों और जांच निष्कर्षों के आधार पर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए। वहीं यदि शिकायतों में तथ्य पाए जाते हैं तो नियमानुसार जिम्मेदारी तय कर आवश्यक कार्रवाई की जानी चाहिए।

आरोपों की पुष्टि जांच के बाद

संबंधित अधिकारी अथवा कर्मचारी पर लगाए गए आरोप शिकायतकताओं के दावों पर आधारित हैं। विभागीय अभिलेखों की जांच और संबंधित पक्षों का जवाब सामने आने के बाद ही यह निर्धारित किया जा सकेगा कि शिकायतों पर नियमानुसार कार्रवाई हुई अथवा किसी स्तर पर प्रशासनिक चूक हुई।

DRM से मुलाकात के बाद 28 सितंबर का रेल रोको फिलहाल स्थगित

DRM से मुलाकात के बाद 28 सितंबर का रेल रोको फिलहाल स्थगित, नैनपुर ROB समेत 11 मांगों पर हुई चर्चा

दैनिक रेवांचल टाईम्स, मंडला। जिले की रेल सुविधाओं और वर्षों से लंबित नैनपुर रेलवे ओवरब्रिज सहित विभिन्न मांगों को लेकर आम आदमी पार्टी मंडला के पदाधिकारियों ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे नागपुर मंडल के ऊ्रट दीपक कुमार गुप्ता से नागपुर स्थित कार्यालय में मुलाकात की। प्रतिनिधिमंडल के अनुसार बैठक में नैनपुर रेलवे ओवरब्रिज, मंडला फोर्ट स्टेशन पर ट्रेनों के लिए वाटर फिलिंग सुविधा, नई ट्रेनों का संचालन, मौजूदा ट्रेनों का विस्तार और क्षेत्र की रेल कनेक्टिविटी सहित विभिन्न विषयों पर चर्चा हुई। बैठक के बाद पार्टी ने 28 सितंबर 2026 को नैनपुर में प्रस्तावित रेल रोको आंदोलन को फिलहाल स्थगित करने का निर्णय लिया है। **आंदोलन स्थगित हुआ है, समाप्त नहीं-** पार्टी का कहना है कि रेलवे द्वारा आगे की कार्रवाई और समय-सीमा पर नजर रखी जाएगी। नैनपुर रेलवे ओवरब्रिज पर सबसे ज्यादा चर्चा बैठक में लंबे समय से लंबित नैनपुर रेलवे ओवरब्रिज का मुद्दा प्रमुखता से उठाया गया। पार्टी प्रतिनिधिमंडल के अनुसार ऊ्रट ने उन्हें बताया कि ओवरब्रिज निर्माण में किसी प्रकार की तकनीकी बाधा नहीं है और निर्माण के लिए एस्टीमेट तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है। प्रतिनिधिमंडल का कहना है कि उन्हें बताया गया कि एस्टीमेट संबंधी प्रक्रिया पूरी होने के बाद टेंडर जारी करने की दिशा में आगे की कार्रवाई होगी। **फड्ड की दिशा में पहले भी सामने आ चुकी है प्रगति-** नैनपुर रेलवे ओवरब्रिज को लेकर रेलवे की गति शक्ति इकाई द्वारा निर्माण क्षेत्र से संबंधित अतिक्रमण हटाने के लिए नगर पालिका को पत्र भेजे जाने की रिपोर्ट भी पूर्व में सामने आ चुकी है। इससे परियोजना की प्रक्रिया आगे बढ़ने के संकेत मिले थे। **मंडला फोर्ट में वाटर फिलिंग सुविधा की मांग-** पार्टी की 11 सूत्रीय मांगों में मंडला फोर्ट रेलवे स्टेशन पर ट्रेनों के लिए वाटर फिलिंग सुविधा उपलब्ध कराने का विषय भी शामिल रहा। प्रतिनिधिमंडल का कहना है कि स्टेशन पर ऐसी बुनियादी सुविधाओं के विस्तार से भविष्य में लंबी दूरी की ट्रेनों के संचालन और टर्मिनेशन से संबंधित संभावनाओं को मजबूती मिल सकती है। **पेंचवेली, टएटव और लंबी दूरी की कनेक्टिविटी का मुद्दा-** जिला उपाध्यक्ष आनंद प्रकाश तिवारी ने पेंचवेली ट्रेन से संबंधित मांग रेलवे अधिकारियों के समक्ष रखी। इसके साथ मंडला-नैनपुर के बीच बेहतर रेल सुविधा तथा लंबी दूरी की ट्रेनों से कनेक्टिविटी बढ़ाने के लिए टएटव सेवा शुरू करने की मांग भी की गई। पार्टी पदाधिकारियों के मुताबिक रेलवे अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नई ट्रेनों के संचालन और ट्रेन सेवाओं से जुड़े कुछ निर्णय उच्च स्तर पर लिए जाते हैं। **आंदोलन से ऊ्रट कार्यालय तक कैसे पहुंचा मामला?** 18 जून 2026 : पार्टी के अनुसार नैनपुर रेलवे ओवरब्रिज सहित रेल मांगों को लेकर रैली निकालकर रेल मंत्रालय के नाम ज्ञापन दिया गया। 19 से 21 जुलाई : पार्टी के मुताबिक मांगों को लेकर तीन दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया गया। 23 जुलाई : पार्टी का दावा है कि इसके बाद रेल मंत्रालय की ओर से दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे बिलासपुर के महाप्रबंधक को ओवरब्रिज से संबंधित स्वीकृति पत्र जारी किया गया।



स्वामी,प्रकाशक, मुद्रक, मुकेश श्रीवास द्वारा मां रेवा पब्लिकेशन जबलपुर 68/1 लक्ष्मीपुर विवेकानंद वार्ड मुस्कान प्लाजा के पीछे MR-4 रोड उखरी जबलपुर से मुद्रित एवं सिविल लाईन जवाहर वार्ड मंडला से प्रकाशित। प्रधान संपादक-मुकेश श्रीवास, सिविल लाईन, जवाहर वार्ड मंडला । मो. 9406771592, संपादक - प्रहलाद उइके
RNI. Reg. No MPHIN/2016/69877 (समाचार पत्र के लिये पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार) (न्यायालयीन क्षेत्राधिकार मंडला) Email:- revanchaltimes@gmail.com web-revanchaltimes.in